

मनेन्द्रगढ़

12 अक्टूबर 2026

सोमवार



दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

मणिपुर में 12 घंटे तक हिंसा, संघर्ष में 9 लोगों की मौत



**इंफाल,एजेंसी।** मणिपुर के पहाड़ी जिलों में हिंसा का एक बेहद खौफनाक दौर देखने को मिला है। राज्य के तीन अलग-अलग जिलों में महज 12 घंटों के भीतर हुई हिंसक झड़पों, गोलीबारी और आगजनी में एक गुर्खा किसान और पांच बच्चों की मां सहित कुल 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। इस तांडव के बाद से पूरे इलाके में भारी तनाव बना हुआ है। बता दें कि इस ताजा हिंसा की शुरुआत शुक्रवार रात को कामजोंग जिले के चास्साद गांव में हुई, जहां 42 वर्षीय कुकी महिला खेमखोनेई तौथांग की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों गांव के सुरक्षा गार्ड पोस्ट को हटाने गई थीं, जिसका ग्रामीण विरोध कर रहे थे।

**टीएमसी विधायक बिभास सरदार पर हमला कार के शीशे तोड़े**

भाजपा पर आरोप; 5 महीने में 26 से ज्यादा टीएमसी नेताओं पर हमले



**कोलकाता, एजेंसी।** बंगाल के बाहरईपुर ईस्ट से TMC विधायक बिभास सरदार की गाड़ी पर शनिवार को हमला किया गया और उनके साथ मारपीट की गई। सरदार ने इसके लिए BJP को जिम्मेदार ठहराया है। सरदार के मुताबिक, पहले उनकी कार का शीशा ईट मारकर तोड़ा गया। इसके बाद गोलबेरिया हाट में हुए दूसरे हमले में उनके साथ मारपीट की गई। इस घटना में उनकी आंख में चोट आई है। बंगाल में 4 मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे।

15 साल बाद TMC सत्ता से बाहर हो गई और पहली बार BJP की सरकार बनी। चुनाव के बाद पिछले 5 महीनों में TMC के 26 से ज्यादा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंकने या हमले की घटनाएं सामने आई हैं।

**लखनऊ में बाढ़, 3 लाख लोग प्रभावित**

बिहार के 7 जिलों में बारिश का अलर्ट



**लखनऊ, एजेंसी।** मानसून के लौटने के साथ ही उत्तर भारत में तापमान में गिरावट आने लगी है। राजस्थान, दिल्ली में रातें ठंडी होने लगी हैं। वहीं, मध्य भारत में दिन का तापमान बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश, गुजरात में दिन में उमस से लोग परेशान हैं।

यूपी के लखनऊ में पिछले 12 दिन से गोमती नदी की बाढ़ मुसीबत बनी हुई है। यहां करीब 3 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बिहार के पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण और सीतामढ़ी समेत 7 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

पीएम मोदी का तमिलनाडु दौरा :

चेन्नई में ट्रेन के फेज-2 का उद्घाटन किया , विजय के साथ मेट्रो में सफर भी किया

**चेन्नई, एजेंसी।** पीएम मोदी आज चेन्नई दौरे पर हैं। उन्होंने चेन्नई मेट्रो के फेज-2 प्रोजेक्ट के 14.6 किमी लंबे पूनमल्ली-वडापालानी रूट का उद्घाटन किया। इसके बाद पीएम ने खुद ट्रेन में यात्रा की, इस दौरान तमिलनाडु के सीएम विजय भी उनके साथ मौजूद थे। इसके बाद मोदी इस रूट पर पूनमल्ली से पोर्तूर तक ट्रेन में सफर भी करेंगे।

दौरे से पहले कई इलाकों में ड्रोन उड़ाने पर रोक लगा दी गई है। ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने भीमनक्कम, गिंडी, कोडूपुरम, पोर्तूर और नंदवक्कम के आसपास के इलाकों को रेंड ज़ोन घोषित किया है। 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद यह पीएम मोदी का पहला चेन्नई दौरा है।



**आईआईटी-मद्रास परिसर के मंदिर में पूजा-अर्चना:** पीएम मोदी ने चेन्नई स्थित आईआईटी-मद्रास परिसर के जलकौतेश्वर स्वामी मंदिरमें पूजा-अर्चना की। उनके साथ तमिलनाडु के

राज्यपाल अरलेकर और मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे। मंदिर में प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए पारंपरिक संगीत बजाया गया।

**सरकारें बदलती रहें, मेरा सेवा का संकल्प जारी रहा:** पीएम मोदी ने कहा- मुख्यमंत्री के रूप में मुझे कर्णानिधि और जयललिता के साथ कई बार बातचीत करने का अवसर मिला।

**मोदी बोले- आज तमिलनाडु के लिए एक ऐतिहासिक दिन है...** पीएम मोदी ने कहा, आज तमिलनाडु के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। आज के कार्यक्रम में 13,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शामिल हैं। हम कई पूरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं और नई परियोजनाओं की आधारशिला रख रहे हैं। इनमें से कुछ परियोजनाएं रोजमर्रा की आवाजाही को आसान बनाएंगी, जबकि कुछ उद्योग और व्यापार को मजबूती देंगी। ये सभी मिलकर पूरे तमिलनाडु के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगी।

प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे जयललिता, ओ. पन्नीरसेल्वम, ई. पलानीस्वामी और एम.के. स्टालिन के साथ काम करने का अवसर मिला। सरकारें बदलती रहें, लेकिन तमिलनाडु के विकास और यहां के लोगों की सेवा करने का मेरा संकल्प कायम रहा। अब हम मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के साथ इस यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं।

**मोदी बोले- आपके प्यार से सरकार प्रमुख के रूप में 25 साल पूरे:** मोदी बोले- कुछ दिन पहले ही, आपके आशीर्वाद और देश की जनता के प्यार से मैंने सरकार के प्रमुख के तौर पर 25 साल पूरे करने का एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया। अक्टूबर 2001 में मैंने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

दिल्ली प्रदर्शन: सुप्रीम कोर्ट बोला- शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर हिरासत में न लें

● दिल्ली में मेट्रो-इंटरनेट सर्विस बहाल करने का आदेश ● दीपके, सौरव और आशुतोष 23 घंटे बाद रिहा



**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में कॉन्फ़ेरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान मेट्रो-ट्रेन सेवाएं बंद करने, इंटरनेट बाधित करने और लोगों को हिरासत में लेने से जुड़ी याचिकाओं पर रविवार को सुप्रीम कोर्ट की स्पेशल बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चलनी चाहिए, इंटरनेट बाधित नहीं होना चाहिए और लोगों की आवाजाही नहीं रोकी जानी चाहिए।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया था कि प्रदर्शन के कारण दिल्ली आने वाली मेट्रो और ट्रेनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक न लगाई जाए। इसके बावजूद शनिवार को कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ। इस पर कोर्ट ने दिल्ली के अधिकारियों को को

नोटिस जारी कर मंगलवार तक जवाब मांगा। कोर्ट ने पूछा कि उसके आदेश की अवहेलना के लिए अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों न की जाए। इससे पहले मजिस्ट्रेट कोर्ट ने CJP लीडर अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को रविवार सुबह करीब 10 बजे रिहा करने का आदेश दिया।

**आज ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के लिए विपक्ष का प्रदर्शन**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने रविवार को कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ को नई दिल्ली में विपक्ष का बड़ा विरोध-प्रदर्शन करोगा।

वेणुगोपाल ने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि कार्यकर्ताओं को दिल्ली आने से रोका जा रहा है और वे जहां उधरे हैं, वहां छोपे मारे जा रहे हैं। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी सोमवार को सीजेआई सूर्यकांत से मुलाकात करेंगे। शाम 4 से 5 बजे के बीच मिलने का समय मांगा गया है।



**दिल्ली में लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन, कई हिरासत में**

सीजेपी लीडर बोले- हमें फ्लाइट से किडनैप किया गया, सरकार अपने लोगों से जंग लड़ रही

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में कॉन्फ़ेरोच जनता पार्टी की प्रेस कॉन्फ़ेंस में लीडर अशुतोष रांका ने कहा- कल मुझे, अभिजीत दीपके और सौरव दास को प्लेन से किडनैप किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने साफ कर दिया है कि वह चुनाव आयोग को बचाना चाहती है, इसलिए हकों में लोगों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर दिल्ली में लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन जारी है।

काम कर रहे हैं।

सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके, सौरव दास और अशुतोष रांका को करीब 23 घंटे हिरासत में रहने के बाद रविवार सुबह करीब 10 बजे रिहा किया गया। दीपके रिहाई के बाद अपनी दादी के निधन के कारण महाराष्ट्र स्थित घर रवाना हो गए हैं।

वहीं, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन जारी है।

पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा में इमरान की पार्टी की सरकार बर्खास्त

इमरजेंसी लगी; पूर्व पीएम की रिहाई के लिए राज्य के सीएम मार्च निकाल रहे थे

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने रविवार को खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में इमरजेंसी लगा दी और सरकार बर्खास्त कर दी। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इसकी घोषणा की।



यहां इमरान खान की पार्टी PTI की सरकार है। खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी पूर्व पीएम की रिहाई की मांग को लेकर समर्थकों के साथ इस्लामाबाद की ओर 4 अक्टूबर से मार्च निकाल रहे थे। अब उन्हें अपना पद छोड़ना होगा। शहबाज

सरकार का आरोप है कि पीटीआई सरकार प्रांत में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में जानबूझकर सहयोग नहीं कर रही है। पाक सरकार आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगी। हालांकि, पूर्व

**पीटीआई बोली- फैसले से हिंसा और बढ़ सकती है...** इमरजेंसी लगाने का फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई आपात कैबिनेट बैठक में लिया गया। बैठक में प्रांत की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी PTI ने इस कदम का विरोध किया है। पार्टी अध्यक्ष गौहर अली खान ने इसे अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा कि प्रांत के अधिकार कमजोर करके शांति और स्थिरता नहीं लाई जा सकती।

सुपर अल नीनो से 20 दिन में चीनी 10% महंगी :

दूध और आटा 6%; 2027 तक रह सकता है असर; गन्ने की फसल भी प्रभावित

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मानसून कमजोर करने वाले सुपर अलनीनो का दुष्प्रभाव अब खाने-पीने की चीजों पर दिखने लगा है। पिछले 20 दिन में एक किलो चीनी 10.16%, दूध 6.12%, दालें 4.68%, आटा 6.67% तक महंगा हो चुका है। मौसम विभाग का कहना है कि दिसंबर में सुपर अलनीनो का प्रभाव अपने चरम पर होगा और इसका असर अगली गर्मियों के आखिर तक बना रह सकता है। यानी जून 2027 तक फसलों का उत्पादन प्रभावित होने की आशंका ज्यादा है।



खाने-पीने के सामानों के बढ़ते दामों और मौसम के पूर्वानुमान ने खाद्य उद्योग की चिंता बढ़ा दी है। इंडियन पल्सेज एंड ग्रेन्स एसो. के अध्यक्ष बिमल कोठरी का



कहना है कि हम 2027 के हालातों को लेकर तनाव में हैं। महाराष्ट्र और कर्नाटक में सूखे की स्थिति रबी मौसम की चने की फसल के लिए चुनौती बन

सकती है। गन्ने की फसल भी प्रभावित हो सकती है। श्री रेणुका शुगर्स के निदेशक अतुल चतुर्वेदी ने सोयाबीन और मूंगफली की पैदावार पर गंभीर खतरे की आशंका जताई है।

**चीनी का मिल भाव 30% बढ़ने की आशंका:** इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रेन एजर्जी के दिलीप पाटिल के मुताबिक अगले दो साल यानी वित्त वर्ष 2027-28 के आखिर तक चीनी उत्पादन और उपलब्धता दोनों ही चुनौतीपूर्ण रह सकते हैं। अभी चीनी के मिल भाव 42 रु. प्रति किलो है, फूटकर

में चीनी 55 रु. तक बिक रही है। जून से अक्टूबर 2027 के बीच मिल भाव 30% तक बढ़ सकता है।

**जलाशयों में पिछले साल से 21% कम पानी:** अगस्त तक खरीफ की बुवाई 1.7% कम थी। आईसीआरए के अनुसार, रकबा 2% घट सकता है। कम बारिश, ज्यादा तापमान और अल नीनो से मिट्टी की नमी घटी है। इससे उपज घटेगी। विशेषज्ञों का अनुमान है कि चावल उत्पादन 1 करोड़ टन घटकर 14.4 करोड़ टन रह सकता है। यानी पिछले साल की तुलना में 6.5% कम।

**वया है अल नीनो और ये क्यों आता है...** प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में जब समुद्री हवाएं कमजोर पड़ती हैं, तो दक्षिण अमेरिकी तट का पानी असामान्य रूप से गर्म होने लगता है। समुद्र के पानी के गर्म होने को अल नीनो कहते हैं। यह वैश्विक हवाओं और बादलों के पैटर्न को बदलकर दुनियाभर के मौसम को तहस-नहस कर देता है।

रबी की बुवाई अक्टूबर से शुरू होगी। शुरुआती सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता कमजोर है।

### संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में ट्रेन के आगे कूदी गर्भवती महिला, दो हिस्सों में बंटा शरीर

सुसाइड नोट में पति और सास पर लगाए आरोप



**जयपुर, एजेंसी।** अलवर में शुक्रवार देर रात एक गर्भवती महिला ने डबल डेकर ट्रेन के आगे छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 28 वर्षीय अंतिमा के रूप में हुए है। अंतिमा सात माह की गर्भवती थी। आत्महत्या करने से पहले उसने एक सुसाइड नोट लिखा था, जिसमे अपने पति, सास और ससुर पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था पुलिस के अनुसार, अंतिमा की मौके पर ही मौत हो गई। उसका शरीर दो हिस्सों में बंट गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को शव सौंप दिया। ससुराल पक्ष के लोगों से पूछताछ की जा रही है। मृतका के भाई ने अरावली विहार पुलिस थाने में तीनों आरोपितों पर अंतिमा की प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि शादी के समय दहेज में 31 लाख रुपये नकद, कार और सोने-चांदी के जेवरात देने के बावजूद अंतिमा को प्रताड़ित किया जा रहा था।

**मध्य प्रदेश में बड़ा फर्जीवाड़ा, एमबीबीएस की फर्जी डिग्री से लौकरी पाने वाले**



**बालाघाट, एजेंसी।** मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में बिरसा के तत्कालीन ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डा. सुनील सिंह के विरुद्ध फर्जी एमबीबीएस डिग्री से नौकरी पाने के मामले में एकआईआर दर्ज की गई है। सीएमएचओ डा. शत्रुघ्न दाहिया के अनुसार, आरोपित ने देवास में पदस्थ डा. सुनील सिंह के नाम पर यह डिग्री बनवाई थी। करीब पांच महीने की जांच में उसकी 10वीं और 12वीं की मार्कशीट भी फर्जी मिलीं। बिरसा थाना पुलिस ने शनिवार शाम प्रभारी बीएमओ डा. नरेश मारन की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। मुरैना निवासी डॉ. सुनील सिंह की डिग्री अप्रैल 2026 में तब संदेह के घेरे में आई, जब पता चला कि एक ही नाम के दो डाक्टर बिरसा और देवास में सेवाएं दे रहे हैं। दोनों की डिग्री में नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि, डिग्री वर्ष और कालेज का नाम एक ही था। तत्कालीन सीएमएचओ डा. परेश उलपल ने मप्र मेडिकल काउंसिल और विभाग के आयुक्त को जांच के लिए पत्र लिखा। 17 सितंबर को दोनों को भोपाल बुलाया गया। सत्यापन में देवास के डा. सुनील सिंह की डिग्री सही, जबकि बिरसा के डाक्टर की एमबीबीएस डिग्री और 10वीं-12वीं की मार्कशीट फर्जी मिलीं। आरोपित ने 2008 में बालाघाट में सविदा चिकित्सक के रूप में सेवा शुरू की और 2012 से बिरसा में पदस्थ रहा। 2017-18 में शिकायत के बाद उसे हटाने का आदेश हुआ, लेकिन कोर्ट से स्टे ले आया। वह करीब चार साल वह बिरसा बीएमओ रहा। उसका मेडिकल काउंसिल में पंजीयन भी नहीं था।

**पटना में धरना प्रदर्शन की जगह तय,**

**सड़क जाम पर होगी सख्त कार्रवाई**

**पटना, एजेंसी।** बिहार की राजधानी पटना में अब गर्दनीबाग के अलावा कहीं दूसरी जगह धरना-प्रदर्शन करना भारी पड़ सकता है। बिना पूर्व अनुमति और सूचना के सड़क या अन्य सार्वजनिक जगहों पर प्रदर्शन करने वाले संगठनों पर अब कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रदर्शन के कारण अक्सर सड़कें जाम होने से आमजन को होनी वाली परेशानियों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। शनिवार को डीएम कुंदन कुमार और एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने कहा कि धरना-प्रदर्शन करने वालों के लिए गर्दनीबाग स्थित निर्धारित स्थल ही अधिकृत है। विभिन्न संगठनों के अचानक सड़क पर उतरने से यातायात बाधित होता है। इसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ता है। स्कूल-कालेज, अस्पताल, न्यायालय, सचिवालय व आयोगों तक पहुंचने वाले लोगों के काम प्रभावित होते हैं। इससे व्यावसायिक गतिविधियों पर भी असर पड़ता है। सड़कों पर धरना-प्रदर्शन से लगने वाले जाम से सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, बीमारों, स्कूली बच्चों और आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहनों को होती है। एंबुलेंस के रास्ते में बाधा आने से गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में देरी होती है। वहीं, जरूरी काम से निकले लोगों को भी अनवश्यक समय गंवाना पड़ता है। सार्वजनिक व्यवस्था और नागरिकों की सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारी द्वय ने संगठनों से निर्धारित स्थल पर ही शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने का आग्रह किया है।

### ● 2011 के बाद सबसे जल्दी होगी विदाई

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दक्षिण-पश्चिम मानसून 15 अक्टूबर के आसपास पूरे देश से विदा हो सकता है। यदि ऐसा होता है, तो यह हाल के वर्षों में मानसून की सबसे जल्दी होने वाली विदाई में से एक होगी। इसके साथ ही दक्षिण भारत में पूर्वोत्तर मानसून की शुरुआत होने की भी संभावना जलाई गई है। भारतीय मौसम विभाग और मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट ने इसकी पुष्टि की है। आईएमडी के अनुसार, 15 से 21 अक्टूबर के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून की पूर्ण वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने की उम्मीद है। पूर्वोत्तर मानसून के आगमन के साथ प्रायद्वीपीय भारत और पूर्वी तट के अधिकांश हिस्सों में छिटपुट से लेकर व्यापक बारिश होने की



संभावना है। वहीं तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और केरल में कुछ दिनों के लिए भारी बारिश हो सकती है। इस अवधि के दौरान दक्षिण

## पांचवीं पीढ़ी की स्टीलथ विमान तकनीक विकसित करेगा भारत, स्वदेशी रक्षा उत्पादन की रफ्तार को सराहा



**जोधपुर, एजेंसी।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को राजस्थान के जोधपुर में आयोजित बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने देश की रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्वदेशी हथियारों और महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के उत्पादन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास के साथ आधुनिक युद्ध की प्रकृति तेजी से बदल रही है और भविष्य की सैन्य क्षमताएं केवल हथियारों की संख्या से नहीं, बल्कि गति, सटीकता, सूचना और समन्वय से निर्धारित होंगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत

पांचवीं पीढ़ी की स्टीलथ विमान तकनीक विकसित करने के साथ-साथ छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों और स्वदेशी विमान इंजनों के विकास की दिशा में भी काम कर रहा है। गौरतलब है कि स्टीलथ विमान को दुश्मन के रडार की पकड़ में आने से बचाने के लिए विशेष तकनीक से बनाया जाता है। सरल शब्दों में इसे अदृश्य विमान भी कहा जाता है, हालांकि, यह पूरी तरह अदृश्य नहीं होता, बल्कि रडार की स्क्रीन पर इसका सिग्नेचर बहुत छोटा होता है हवाई युद्धाभ्यास के दौरान भारतीय वायुसेना की सारांग हेलीकॉप्टर की टीम ने शानदार हवाई करतबों का प्रदर्शन किया।

वहीं, भारत के स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस ने अपनी हवाई क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इसने रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता को भी रेखांकित किया। इसके अतिरिक्त, स्वदेश में विकसित हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) 'प्रचंड' का भी प्रदर्शन किया गया। यह हेलीकाप्टर आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रतीक है और रक्षा विनिर्माण, तकनीकी नवाचार तथा एयरोस्पेस क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करता है। अब युद्ध केवल थल, जल और वायु तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि विद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम और सूचना क्षेत्र की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों, समुद्री रास्तों का इस्तेमाल अब रणनीतिक दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। लंबी दूरी तक मार करने वाले सटीक हथियारों ने युद्धक्षेत्र का विस्तार काफी बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि भविष्य की सैन्य शक्ति का निर्धारण इस बात से होगा कि कोई देश कितनी तेजी से स्थिति का आकलन करता है, जानकारी को समझता है, निर्णय लेता है और कार्रवाई करता है।

## गहरे जख्म लेकिन हौसला बुलंद: कैप्टन रिम्त की नई तस्वीर आई सामने, जानें कब इसाइल देगा सबसे बड़ा वीरता सम्मान

**अमीरात, एजेंसी।** अबू धाबी के अस्पताल में इलाज करा रहे भारतीय पायलट कैप्टन रिम्त मच्छर की नई तस्वीर सामने आई है। तस्वीर में वह इसाइल के राष्ट्रपति इसाक हजोंग का पत्र पढ़ते नजर आ रहे हैं। उनकी बहादुरी से प्रभावित राष्ट्रपति हजोंग ने उन्हें इसाइल के सर्वोच्च नागरिक वीरता सम्मान से सम्मानित करने का एलान किया है। मच्छर को भेजे अपने पत्र में हजोंग ने कहा है कि रिम्त के पूरी तरह ठीक होने के बाद उन्हें यरुशलम बुलाकर यह सम्मान दिया जाएगा। 30 सितंबर को फ्लाईटडुबई की उड़ान में हुए खौफनाक घटनाक्रम के दौरान रिम्त ने जिस हिम्मत और सूझबूझ का परिचय दिया, उससे विमान में सवार 180 लोगों की जान बच गई।

इसाइल के राष्ट्रपति इसाक हजोंग ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा कर



कैप्टन रिम्त मच्छर की जमकर तारीफ की। उन्होंने अपने संदेश में भारतीय पायलट को इसाइल, भारत और पूरी मानवता का हीरो बताया। हजोंग ने कहा कि उन्होंने रिम्त को भेजे पत्र में उनके जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना की है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि रिम्त के ठीक होने और दोबारा ताकत हासिल करने के बाद

यरुशलम में उनका स्वागत करना उनके लिए सम्मान की बात होगी। हजोंग ने लिखा, 'कैप्टन रिम्त मच्छर, आप इसाइल, भारत और पूरी मानवता के हीरो हैं!' उन्होंने आगे कहा कि वह रिम्त से मिलकर उन्हें इसाइल के नागरिक वीरता के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करने के लिए उत्सुक हैं।

**राष्ट्रपति के पत्र में छलका रिम्त की बहादुरी के लिए सम्मान:** 4 अक्टूबर को लिखे अपने पत्र में राष्ट्रपति हजोंग ने कैप्टन रिम्त के साहस, हौसले और विमान को सुरक्षित रखने के उनके प्रयासों की सराहना की थी। उन्होंने कहा कि जिस तरह की स्थिति से पायलट को गुजरना पड़ा, उसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। विमान के कॉकपिट में जान का खतरा सामने होने और गंभीर दर्द से जूझने के बावजूद रिम्त ने अपना धैर्य बनाए रखा और सही फैसले लिए।

## कमान संभालने से पहले परगट सिंह ने टेका आनंदपुर साहिब में माथा

### ► बोले- 'पंजाब की सेवा ही प्राथमिकता'

**चंडीगढ़, एजेंसी।** पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष एवं विधायक परगट सिंह ने पानी अय्यश का पदभार संभालने से पहले अपनी पत्नी बरिंदर प्रीत कौर के साथ खालसा पंथ की जन्मभूमि श्री आनंदपुर साहिब की पवित्र धरती पर माथा टेका। उन्होंने पंजाब की



खुशहाली, शांति और सर्वजन के कल्याण के लिए अरदास की। परगट सिंह ने इस अवसर पर पंजाब की एकता, भाईचारे और आपसी सद्भाव की भावना को और मजबूत बनाने की कामना की। उन्होंने

कहा कि पंजाब की सेवा करना और प्रदेश के लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने वाहेगुरु से पंजाब की सेवा करने और सभी को साथ लेकर चलने की शक्ति प्रदान करने की अरदास की।

**सब के साथ होगा पंजाब का विकास:** उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का पंजाब की मिट्टी, यहां के गौरवशाली इतिहास और भाईचारे की परंपरा के साथ

गहरा रिश्ता रहा है। कांग्रेस ने हमेशा पंजाब के अधिकारों तथा किसानों, मजदूरों, युवाओं और समाज के हर वर्ग की आवाज बुलंद करने का प्रयास किया है। परगट सिंह ने संकल्प व्यक्त किया कि वह पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पंजाब की बेहतरी, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे।

## पुतिन से तेल का सौदा कर फंसे ट्रंप: अपने ही पार्टी में घिरे अमेरिकी राष्ट्रपति

### रूस पर रोक के लिए आएगा बिल

**वाशिंगटन, एजेंसी।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तेल का सौदा करने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले ने अमेरिका की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। ट्रंप के इस कदम के खिलाफ अब उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी के सांसद भी खड़े होने लगे हैं। रिपब्लिकन सांसद ब्रायन फिट्जजैट्रिक ने साफ कर दिया है कि वह रूस से तेल खरीदने पर रोक लगाने के लिए एक नया विधेयक लाएंगे। खास बात यह है कि इस मुहिम को डेमोक्रेटिक सांसदों के साथ-साथ रिपब्लिकन नेताओं का भी समर्थन मिल रहा है। हालांकि, प्रतिनिधि सभा का मौजूदा कार्यकाल जनवरी में खत्म होने वाला है, इसलिए इस विधेयक के कानून बनने की राह आसान नहीं दिख रही।

**ट्रंप के फैसले के खिलाफ बिल लाने की तैयारी:** रिपब्लिकन सांसद ब्रायन फिट्जजैट्रिक ने कहा है कि वह रूस से तेल की किसी भी तरह की खरीद पर रोक लगाने के लिए एक ऐसा विधेयक पेश करेंगे, जिसे दोनों पार्टियों का समर्थन हासिल होगा। फिट्जजैट्रिक कांग्रेस के यूक्रेन कॉफ़स के सह-अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि इस विधेयक का नाम 'रोनाल्ड रीगन पीस थ्रू स्टैंड' रखा जाएगा। फिट्जजैट्रिक के मुताबिक, वह इस विधेयक को सदन के पटल पर लाने के लिए डिस्वाज प्रक्रिया का इस्तेमाल करेंगे। इस प्रक्रिया के तहत पर्याप्त सांसदों के



समर्थन से किसी विधेयक को संबंधित समिति की मंजूरी के बिना भी सदन में चर्चा और मतदान के लिए लाया जा सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह विधेयक भारी बहुमत से पारित होगा।

**रिपब्लिकन सांसद डॉन बेकन भी आए साथ:** फिट्जजैट्रिक की इस पहल को रिपब्लिकन सांसद डॉन बेकन का भी समर्थन मिला है। नेब्रास्का से सांसद बेकन ने कहा कि वह इस विधेयक के शुरुआती सह-प्रायोजकों में शामिल होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कांग्रेस को इस मुद्दे पर अपना रुख साफ करना चाहिए और मजबूती से खड़ा होना चाहिए। बेकन ने यह भी साफ किया है कि वह तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव में दोबारा अपनी किस्मत नहीं आजमा रहे हैं। ऐसे में ट्रंप के रूस से तेल खरीदने के फैसले के खिलाफ रिपब्लिकन खेमे से उठ रही आवाज को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है।

**पुतिन से बातचीत के बाद ट्रंप ने किया था बड़ा**

**एलान:** शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने एलान किया था कि रूस अमेरिका और वैश्विक बाजार को तुरंत तीन लाख टन डीजल की आपूर्ति करेगा। इस समझौते की खबर सामने आते ही अमेरिकी संसद में हलचल मच गई। इस सौदे ने इसलिए भी विवाद खड़ा कर दिया, क्योंकि अमेरिकी कांग्रेस ने पिछले महीने रूस और ईरान पर प्रतिबंधों से जुड़ा एक अहम कानून भारी बहुमत से पारित किया था। इस कानून के तहत ट्रंप को रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाने और तेल-गैस कारोबार से जुड़े उसके पांच प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार दिया गया था। इन देशों में भारत और चीन भी शामिल हैं।

**'रूसी तेल खरीदने पर पहले ही लग चुकी है रोक':** अमेरिकी सीनेटर जीन शाहीन ने ट्रंप प्रशासन के फैसले पर सवाल उठाए हैं। सीनेट की विदेश संबंध समिति में विपक्ष की वरिष्ठ सदस्य शाहीन ने कहा कि अमेरिका ने 2022 में ही रूसी ऊर्जा के आयात पर रोक लगा दी थी। ऐसे में राष्ट्रपति ट्रंप कानून को नजरअंदाज कर पुतिन से डीजल खरीदने का फैसला नहीं कर सकते। शाहीन के मुताबिक, कानून में इस तरह के मामले में कांग्रेस से सलाह लेने और औपचारिक समीक्षा प्रक्रिया पूरी करने का प्रावधान है। उन्हें आशंका है कि ट्रंप प्रशासन ने इन दोनों प्रक्रियाओं को दफ़्तिकार कर दिया है। उनका कहना है कि इस मामले में यह स्पष्ट होना चाहिए कि सरकार ने मौजूदा कानून का पालन किया है या नहीं।

**सीनेटर ब्लूमैथल ने सौदे को बताया शर्मनाक:** रूस पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून के सह-लेखक अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमैथल ने भी ट्रंप के फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने पुतिन के साथ हुए इस समझौते को शर्मिंदगी भरा कदम बताया। ब्लूमैथल और दिवांत रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने मिलकर रूस और ईरान पर प्रतिबंधों से संबंधित विधेयक तैयार किया था। अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों ने 16 सितंबर को इसे भारी बहुमत से पारित किया था। इसके दो दिन बाद, 18 सितंबर को ट्रंप ने इस पर हस्ताक्षर कर इसे कानून बना दिया था।

**भारत और चीन को भी दे चुके हैं चेतावनी:** रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून के पारित होने के बाद ब्लूमैथल ने भारत और चीन को भी कड़ा संदेश दिया था। उन्होंने दोनों देशों से अपना रवैया बदलने और रूस के बजाय दूसरे देशों से तेल खरीदने को कहा था। अब ट्रंप के रूस के साथ तेल का सौदा करने से अमेरिकी राजनीति में एक नई बहस छिड़ गई है। एक तरफ रूस से ऊर्जा खरीद को लेकर सख्त रुख अपनाने की मांग हो रही है, तो दूसरी तरफ ईंधन की कीमतों को काबू में रखने की जरूरत भी चर्चा में है।

**'रूसी तेल से पुतिन की जूझट मशीन को मिलेगी ताकत':** से डेमोक्रेटिक सांसद डेव मिन ने भी ट्रंप के फैसले पर निशाना साधा है।

### क्या है मानसून वापसी की मौजूदा स्थिति

स्काईमेट वेदर सर्विसेज के अध्यक्ष जी.पी. शर्मा ने बताया कि 19 सितंबर से शुरू हुई मानसून की वापसी अब अंतिम चरणों में है। वर्तमान में मानसून की वापसी रेखा सुपील, रांची, सुंदरगढ़, बरगढ़, बीजापुर, हैदराबाद, बेलगावी और पणजी से होकर गुजर रही है। देश के पश्चिमी हिस्से से विदाई लगभग पूरी हो चुकी है, हालांकि बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में बारिश जारी है। 13 अक्टूबर तक दक्षिण प्रायद्वीप, मध्य और पूर्वी भारत के शेष हिस्सों से भी मानसून विदा हो सकता है, जिसके बाद केवल मिजोरम और त्रिपुरा ही इसके प्रभाव में रहेंगे। इसके अगले 48 घंटों के भीतर पूरे देश से मानसून की पूर्ण विदाई हो सकती है।

**क्या है पहले का रिकॉर्ड:** दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई और पूर्वोत्तर मानसून का आगमन एक साथ या 48 घंटों के भीतर हो सकता है। जब वापसी रेखा प्रायद्वीप पर लगभग 15ए उतरी अक्षांश (15एह) तक पहुंच जाती है और मानसूनी हवाएं देश के बाकी हिस्सों से हट जाती हैं, तब विदाई को पूर्ण माना जाता है। 15एह अक्षांश से नीचे सुदूर दक्षिणी प्रायद्वीप में पूर्वोत्तर मानसून की आधिकारिक घोषणा से पहले ही बारिश शुरू हो सकती है। यदि आईएमडी 15 अक्टूबर के आसपास विदाई की घोषणा करता है, तो यह पिछले डेढ़ दशक की सबसे तेजी से हुई विदाई के रिकॉर्ड से मेल खाएगा। इससे पहले वर्ष 2024 में 15 अक्टूबर, 2025 में 16 अक्टूबर और 2023 में 19 अक्टूबर को मानसून पूरी तरह विदा हुआ था।

## हिमाचल प्रदेश में एसएमसी और कंप्यूटर शिक्षकों के लिए भर्ती का रास्ता खुला

### 4800 पदों पर होगी नियुक्ति

**शिमला, एजेंसी।** करीब 20 साल से सरकारी स्कूलों में सेवाएं दे रहे एसएमसी और आउटसोर्स कंप्यूटर शिक्षकों को भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से विभाग में मर्ज होने का अवसर मिलेगा। शनिवार को

मुख्यमंत्री सुखविन्द सिंह सुखूक् की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इन शिक्षकों के लिए एलडीआर के माध्यम से चयन को मंजूरी दी गई। इसके लिए भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में संशोधन को भी स्वीकृति दी गई है। हालांकि, नियुक्ति निर्धारित पात्रता शर्तें पूरी करने और चयन प्रक्रिया में सफल होने पर ही मिलेगी।

**पहले छूट गए शिक्षकों को मिलेगा मौका:** एलडीआर की प्रक्रिया से पहले छूट गए एसएमसी शिक्षकों को भी मौका मिलेगा। इनमें पीजीटी और टीजीटी शामिल हैं। सरकारी स्कूलों में आउटसोर्स आधार पर



सेवाएं दे रहे कंप्यूटर शिक्षकों के पदों को भी एलडीआर के दायरे में लाने की मंजूरी दी गई है। इन शिक्षकों को भी चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। सरकार दूसरे चरण में 100 और सरकारी स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध करेगी। मंत्रिमंडल ने इन स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्था के लिए 3900 शिक्षक और 900 गैर-शिक्षक पद भरने को मंजूरी दी है। इस तरह 4800 पदों पर भर्ती की तैयारी है। योजना के तहत चयनित शिक्षकों को शैक्षणिक सत्र के दौरान 10 महीने तक 30 हजार रुपये मासिक मानदंड दिया जाएगा।

कालेज फैक्टर में बैकलाग कोटे के तहत सहायक आचार्य के 320 पद भरने का निर्णय लिया है। इससे उच्च शिक्षा संस्थानों में रिक्त पदों को भरने का रास्ता खुलेगा। प्रदेश में पहले चरण में 151 सरकारी स्कूल सीबीएसई से संबद्ध हो चुके हैं, जबकि सात अन्य स्कूलों की संबद्धता की प्रक्रिया चल रही है। अब दूसरे चरण में 100 और स्कूलों को केंद्रीय बोर्ड से जोड़ने की तैयारी है। इनके लिए 4800 शिक्षक और गैर-शिक्षक पद भरने की मंजूरी दी गई है।

## भारतीय युवाओं के साथ खड़े हैं बांग्लादेश के नाहिद इस्लाम ने सीजेपी के प्रदर्शन को दिया समर्थन, क्या बोले

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने वाले नाहिद इस्लाम ने भारत में प्रदर्शन कर रहे युवाओं के समर्थन में बयान जारी किया है। उन्होंने चुनावी जवाबदेही और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की मांग कर रहे भारतीय युवाओं के साथ एकजुटता जताई। उन्होंने प्रदर्शनकारियों, आंदोलन के आयोजकों और पत्रकारों को हिरासत में लिए जाने पर चिंता जताई। साथ ही, इंटरनेट सेवाओं पर रोक और जंतर-मंतर पर लगाई गई पाबंदियों को बुनियादी स्वतंत्रता के लिए खतरा बताया। अपने बयान में उन्होंने भारतीय अधिकारियों से हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा करने और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान करने की अपील की।

**नाहिद इस्लाम ने भारतीय युवाओं के समर्थन में क्या कहा:** नाहिद इस्लाम ने कहा, हम चुनावी जवाबदेही की मांग करने और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने वाले भारत के युवाओं के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। नई दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों, आयोजकों और पत्रकारों को हाल ही में हिरासत में लिया जाना, इंटरनेट सेवाओं पर रोक और जंतर-मंतर पर लगाई गई पाबंदियां सीधे तौर पर बुनियादी स्वतंत्रताओं के लिए खतरा है। चुनाव की निष्पक्षता और संस्थानों की स्वतंत्रता से जुड़े सवालों के पारदर्शी जवाब दिए जाने चाहिए, न कि बैरिकेड लगाकर और सेंसरशिप के जरिए उन्हें दबाया जाना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, यह संघर्ष केवल आपका नहीं है। बल्कि से हम आपके साथ दोस्तों की तरह खड़े हैं। हम जवाबदेह सत्ता, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मानवीय गरिमा की साझा मांग से जुड़े हैं।



# वोट चोर गद्दी छोड़ के नारों के साथ कांग्रेस की साइकिल यात्रा, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चिरहुला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने रविवार को साइकिल यात्रा निकाली। ‘वोट चोर गद्दी छोड़’ के नारों के साथ शुरू हुई इस यात्रा के जरिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा उठाया और लोगों को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया यात्रा की शुरुआत रीवा के वार्ड क्रमांक 43 स्थित चिरहुला मंदिर रोड से हुई। यहां राष्ट्रीय महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अभियान प्रारंभ किया यात्रा चिरहुला मंदिर से उत्तम नगर, बड़ौर टोला, सावा बस्ती, ग्राम पंचायत जोरी और रिंग रोड गुड़ मार्ग से होते हुए लोही खेमसागर स्थित हनुमान मंदिर परिसर पहुंची।



यहां यात्रा के पहले चरण का समापन किया गया।

**मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लेकर लगाए आरोप:** साइकिल यात्रा का नेतृत्व कर रहे चिरहुला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामकीर्ति शर्मा ने कहा कि

कांग्रेस मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और वोट चोरी के मुद्दे को लेकर जमीनी स्तर पर संघर्ष कर रही है उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस मुद्दे को

संसद से लेकर सड़क तक उठा रहे हैं शर्मा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के शासन में लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े सवाल खड़े हो रहे हैं उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितू पटवारी भी प्रदेश के विभिन्न

जिलों में इस मुद्दे को लेकर सक्रिय हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता जिला, शहर और ब्लॉक स्तर पर लोगों के बीच पहुंचकर मतदाता सूची से जुड़े विषयों पर जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

**पात्र मतदाताओं के नाम नहीं कटने देने का संकल्प:** रामकीर्ति शर्मा ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर चिंता जताई उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करने के लिए लोगों को जागरूक करेंगे कि सभी पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल रहें और किसी पात्र मतदाता का नाम अनावश्यक रूप से न काट जाए उन्होंने संगठन के कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान को ब्लॉक, शहर, जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक मजबूती से आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग और

मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष जारी रखेगी। यात्रा के सावा बस्ती पहुंचने पर चिरहुला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की सचिव एवं कांग्रेस नेत्री छोटकी साकेत ने महिला मंडल के साथ कार्यकर्ताओं का स्वागत किया पूर्व सेक्टर अध्यक्ष दीपक साकेत ने भी साइकिल यात्रियों का स्वागत किया यात्रा में मंडलम अध्यक्ष लल्लू सिंह यादव, अखिलेश तिवारी, राकेश पटेल, अमित तिवारी, सुनील डुबे, शहर सचिव रामलखन ताम्रकर, शकील खान, वार्ड अध्यक्ष माजिद खान, रामस्वरूप झंडोट, दीपक बंसल, पंचायत अध्यक्ष राजा राम गौतम, नितिन तिवारी, भूपेंद्र पटेल, योगेश नारायण तिवारी, राजमणि पटेल, राजेंद्र कुशवाहा, ललित पाण्डेय, प्रवीण शुक्ला, नीतीश तिवारी, हीरामणि मिश्रा और राधेन्द्र द्विवेदी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।



**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** मनगवां विधानसभा क्षेत्र के गंगेव जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गुडवा में विद्युत पोल में कंट उतरने से एक भैंस की मौत का मामला सामने आया है। पीड़ित दिलीप साकेत का आरोप है कि घटना के बाद उन्होंने पुलिस चौकी गंगेव और विद्युत वितरण केंद्र वैकुंठपुर में शिकायत की, लेकिन अब तक सुआवजा नहीं मिला अधिकारियों के चक्कर लगाने के बाद उन्होंने जनसुनवाई में आवेदन देकर क्षतिपूर्ति और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। दिलीप साकेत के मुताबिक, अत्यधिक बारिश और तुफान के कारण उनके घर के पास लगा विद्युत पोल टूट गया था। इसके

बाद 18 अगस्त 2026 को ग्राम पंचायत सरपंच प्रभाकर पटेल द्वारा कथित तौर पर बिना अनुमति नया पोल लगवाया गया पीड़ित का आरोप है कि नए पोल में कंट आने से उनकी करीब एक लाख रुपये कीमत की भैंस की मौत हो गई उन्होंने बताया कि भैंस को बचाने के प्रयास में कलावती साकेत और आंचल साकेत भी कंट की चपेट में आ गई थीं मौके पर मौजूद लालबहादुर साकेत ने बांस की लाठी की मदद से उन्हें बचाया हालांकि तब तक भैंस की मौत हो चुकी थी आवेदक के अनुसार घटना की सूचना गंगेव पुलिस चौकी, मनगवां थाना और पशु चिकित्सा विभाग को दी गई थी। पशु चिकित्सक द्वारा मृत भैंस का पोस्टमार्टम भी किया गया।

## करही स्कूल विवाद में आमने-सामने आए दो संगठन, भीम आर्मी के बाद ब्राह्मण समाज ने दी आंदोलन की चेतावनी



**मीडिया ऑडीटर, रीवा/महर (निप्र)।** मेहर जिले के अमरपाटन विकासखंड अंतर्गत शासकीय पीएम श्री उत्तर माध्यमिक विद्यालय करही में सरस्वती पूजा और कथित शुद्धिकरण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। प्राचार्य का प्रभार सौंपने के दौरान गंगाजल छिड़ककर शुद्धिकरण किए जाने के आरोपों के बाद भीम आर्मी ने

धरना देकर कार्रवाई की मांग की थी अब अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज प्राचार्य के समर्थन में उतर आया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जांच के बिना या दबाव में प्राचार्य के खिलाफ कार्रवाई की गई तो वह आंदोलन करेगा।

**भीम आर्मी ने जताया विरोध, कार्रवाई की मांग:** विद्यालय में प्राचार्य का प्रभार सौंपने के दौरान कथित तौर पर गंगाजल छिड़ककर शुद्धिकरण किए जाने की बात सामने आई थी भीम आर्मी ने इस घटना को जातिगत भेदभाव से जोड़ते हुए विरोध प्रदर्शन किया और संबंधित प्राचार्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई संगठन का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

**ब्राह्मण समाज ने कहा— पूजा को बनाया विवाद का**

**मुद्दा:** भीम आर्मी के विरोध के बाद अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने प्राचार्य के समर्थन में अपना पक्ष रखा है संगठन का कहना है कि विद्यालय में सरस्वती पूजा के कार्यक्रम को शुद्धिकरण का नाम देकर अनावश्यक विवाद खड़ा किया जा रहा है समाज ने धार्मिक परंपराओं को जातिगत भेदभाव से जोड़ने पर आपत्ति जताई है अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रदेश सचिव सतीश चौबे ने आरोप लगाया कि भीम आर्मी ने सरस्वती पूजा के कार्यक्रम को जातिगत रंग दिया है उन्होंने कहा कि मामले में किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए बिना पर्याप्त आधार के किसी के खिलाफ कार्रवाई करना उचित नहीं है।

**कार्रवाई हुई तो आंदोलन**

**की चेतावनी:** ब्राह्मण समाज ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच में प्राचार्य निर्दोष पाए जाते हैं और इसके बावजूद दबाव में उनके खिलाफ कार्रवाई की जाती है, तो संगठन विरोध प्रदर्शन करेगा जरूरत पड़ने पर धरना भी दिया जाएगा संगठन ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और तथ्यों के आधार पर निर्णय लेने की मांग की है।

**प्रशासन की जांच पर टिकी निगाह:** इस मामले में दोनों संगठनों के दावे अलग-अलग हैं। भीम आर्मी घटना को जातिगत भेदभाव से जोड़कर कार्रवाई की मांग कर रही है, जबकि ब्राह्मण समाज इसे सरस्वती पूजा से जुड़ा मामला बताते हुए प्राचार्य के समर्थन में खड़ा है प्राचार्य का पक्ष भी है कि पूजा के कार्यक्रम को गलत तरीके से शुद्धिकरण से जोड़कर विवाद बढ़ाया जा रहा है।

## शहीद लांस नायक सुधाकर सिंह बाघेल के माता-पिता का सम्मान, वीर सपूत के बलिदान को किया नमन सेवा संकल्प वीरगाथा एवं सैनिक सम्मान अभियान के तहत शहीद स्मारक पर अर्पित किए श्रद्धासुमन, युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करने का संदेश



**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** सेवा संकल्प वीरगाथा एवं सैनिक सम्मान अभियान के अंतर्गत रविवार को सीधी जिले के वीर सपूत शहीद लांस नायक सुधाकर सिंह बाघेल को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया गया चुहट तहसील के ग्राम डहिया स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में शहीद के पिता सच्चिदानंद सिंह,

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी गुप कैप्टन सिद्धार्थ श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त), नायब तहसीलदार चुहट, शहीद के परिजनों और ग्रामवासियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए इस अवसर पर शहीद के माता-पिता को उनके निवास पर पहुंचकर शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

**ऑपरेशन रक्षक में दिया सर्वोच्च बलिदान:** शहीद लांस नायक सुधाकर सिंह बाघेल भारतीय सेना की 13 राजपूताना राइफल्स में सेवारत थे वे 8 जनवरी 2013 को ऑपरेशन रक्षक के दौरान नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तानी सेना के विरुद्ध संघर्ष करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे उनकी वीरता, देशभक्ति और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण आज भी सीधी जिले सहित पूरे विंध्य क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उनका बलिदान युवाओं को देश के प्रति अनेक कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है।

**शहीद परिवार का जाना कुशलक्षेम:**

कार्यक्रम के दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी गुप कैप्टन सिद्धार्थ श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त) और नायब तहसीलदार चुहट ने शहीद के पिता सच्चिदानंद सिंह, माता तथा परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना अधिकारियों ने शहीद के युगदान को याद करते हुए परिवार के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की शहीद के माता-पिता का सम्मान कर उनके त्याग और समर्पण को नमन किया गया। इस दौरान ग्रामवासियों से भी संवाद किया गया।

**युवाओं को वीर जवानों के आदर्शों से जोड़ने पर जोर:** जिला सैनिक कल्याण अधिकारी गुप कैप्टन सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने कहा कि समाज, अभिभावकों और शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को सेना के वीर जवानों के बलिदान और आदर्शों से परिचित कराएं तथा उन्हें राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित शहीद परिवारों को सम्मान, स्नेह और सहयोग देना हम सभी का दायित्व है।

## पीएम स्वनिधि योजना से बदली कृष्णचन्द्र भुजवा की जिंदगी, फिर शुरू किया फल का कारोबार



**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** मेहनत और लगन के साथ समय पर मिलने वाली आर्थिक सहायता किसी व्यक्ति के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना इसका उदाहरण बनकर सामने आई है। सीधी नगर पालिका परिषद के वार्ड 6 निवासी कृष्णचन्द्र भुजवा ने इस योजना का लाभ लेकर बंद पड़े अपने फल के व्यवसाय को दोबारा शुरू किया आज वे स्वरोजगार के जरिए परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

**कोरोना काल में बंद हो गया था कारोबार:** कृष्णचन्द्र भुजवा पहले फल का ठेला लगाकर अपने परिवार का आजीविका चलाते थे। कोरोना संक्रमण के दौरान परिस्थितियां प्रतिकूल हो गई जिसके चलते उन्हें अपना व्यवसाय बंद करना पड़ा कारोबार बंद होने से उनकी आय का प्रमुख साधन समाप्त हो गया ऐसे में परिवार की जरूरतों को पूरा करना उनके लिए चुनौती बन गया था।

**योजना से मिली तीन चरणों में आर्थिक सहायता:** इसी दौरान नगर पालिका परिषद सीधी द्वारा फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले छोटे व्यापारियों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत ऋण

उपलब्ध कराने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे थे कृष्णचन्द्र ने भी आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए आवेदन उनका आवेदन स्वीकृत होने के बाद उन्हें योजना इसका उदाहरण बनकर सामने आई है। सीधी नगर पालिका परिषद के वार्ड 6 निवासी कृष्णचन्द्र भुजवा ने इस योजना का लाभ लेकर बंद पड़े अपने फल के व्यवसाय को दोबारा शुरू किया आज वे स्वरोजगार के जरिए परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

**कोरोना काल में बंद हो गया था कारोबार:** कृष्णचन्द्र भुजवा पहले फल का ठेला लगाकर अपने परिवार का आजीविका चलाते थे। कोरोना संक्रमण के दौरान परिस्थितियां प्रतिकूल हो गई जिसके चलते उन्हें अपना व्यवसाय बंद करना पड़ा कारोबार बंद होने से उनकी आय का प्रमुख साधन समाप्त हो गया ऐसे में परिवार की जरूरतों को पूरा करना उनके लिए चुनौती बन गया था।

**योजना से मिली तीन चरणों में आर्थिक सहायता:** इसी दौरान नगर पालिका परिषद सीधी द्वारा फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले छोटे व्यापारियों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत ऋण

## महंगाई और भ्रष्टाचार के विरोध में 1 दिसंबर को जेल भरो आंदोलन करेगी भाकपा,रीवा कलेक्टर कार्यालय के सामने होगा प्रदर्शन, संगठन विस्तार और सदस्यता अभियान को गति देने पर भी जोर



**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की जिला परिषद की बैठक शनिवार, 10 अक्टूबर को मानस भवन, रीवा में आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक विस्तार, सदस्यता

अभियान और जिले सहित देश के विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की गई। केंद्र सरकार की नीतियों, महंगाई और भ्रष्टाचार के विरोध में आंदोलन की रणनीति भी तय की गई। बैठक

में निर्णय लिया गया कि इन मुद्दों को लेकर 1 दिसंबर को सुबह 11 बजे कलेक्टर कार्यालय, रीवा के सामने जेल भरो आंदोलन आयोजित किया जाएगा बैठक में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सह

सचिव एवं राष्ट्रीय परिषद सदस्य कामरेड हरिंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित इसके अलावा कामरेड संजय नामदेव, कामरेड अरुण सिंह तिवारी, राज्य कार्यकारिणी सदस्य कामरेड रामसरोज कुशवाहा, जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 15 एवं राज्य परिषद सदस्य कामरेड लालमणि त्रिपाठी तथा जिला सचिव कामरेड गया प्रसाद मिश्रा मौजूद रहे बैठक की अध्यक्षता कामरेड सुरभी मिश्रा ने की। जिला परिषद के सदस्यों ने भी चर्चा में भाग लिया।

बैठक में पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और सदस्यता अभियान को गति देने पर विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर जनता के बीच सक्रियता बढ़ाने की आवश्यकता है। संगठनात्मक

गतिविधियों के विस्तार के साथ स्थानीय समस्याओं और आम नागरिकों से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाने पर भी जोर दिया गया वक्ताओं ने महंगाई, भ्रष्टाचार और केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर जनआंदोलन के माध्यम से विरोध दर्ज कराते हुए सरकार का ध्यान आम जनता की समस्याओं की ओर आकर्षित किया जाएगा।

**1 दिसंबर को कलेक्टर कार्यालय के सामने प्रदर्शन:** बैठक में सर्वसम्मति से 1 दिसंबर को सुबह 11 बजे रीवा कलेक्टर कार्यालय के सामने जेल भरो आंदोलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया पार्टी के अनुसार, आंदोलन के माध्यम से महंगाई, भ्रष्टाचार और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया जाएगा इसके

लिए कार्यकर्ताओं को तैयारियों में जुटने और जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर दिया गया।

**दुआरी में 7 नवंबर को विचार गोष्ठी:** बैठक में गृह विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम दुआरी में 7 नवंबर को दोपहर 3 बजे लेनिन जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया इसमें लेनिन के विचारों, सामाजिक परिवर्तन और वर्तमान राजनीतिक एवं आर्थिक परिस्थितियों पर चर्चा की जाएगी बैठक के अंत में उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने संगठनात्मक विस्तार तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। पार्टी ने आने वाले दिनों में सदस्यता अभियान और जनहित के मुद्दों पर गतिविधियां तेज करने की बात कही।

# नकली दवाओं का अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट मानवता के लिए गंभीर खतरा

तुर्किये और अजरबैजान तक फैला नेटवर्क स्वास्थ्य व्यवस्था को विश्वसनीयता पर खवाल दवा का उद्देश्य मनुष्य को बीमारी से राहत देना और जीवन को सुरक्षित बनाना है, लेकिन जब जीवन बचाने वाली दवाएं ही मौत और गंभीर बीमारियों का कारण बनने लगे, तब यह केवल मिलावट या आर्थिक अपराध का मामला नहीं रह जाता, बल्कि मानवता के विरुद्ध गंभीर चुनौती बन जाता है। देश में नकली दवाओं के कारोबार को लेकर कर्नाटक में सामने आया मामला इसी चिंता

को गहरा करता है। जांच में एक ऐसे गिरोह का पता चला है, जिसके तार भारत के कई राज्यों से लेकर तुर्किये और अजरबैजान तक जुड़े होने की बात सामने आई है। यह घटनाक्रम बताता है कि नकली दवाओं का कारोबार अब किसी एक शहर, राज्य या देश तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि समंजित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के रूप में काम कर सकता है। कर्नाटक में विशेष जांच दल की पड़ताल के अनुसार गिरोह का कथित सरगना आर. प्रशांत रंजन बाबू विदेशी संपर्कों के माध्यम से प्रसिद्ध दवा कंपनी

फाइजर की दवाओं जैसे दिखने वाले लेबल मंगवाता था। इन लेबलों और क्यूआर कोड की नकल तैयार कर नकली दवाओं की शीशियों पर चिपकाई जाती थी। जांच में करीब दस हजार ऐसी शीशियों का पता चलने की बात सामने आई है, जिन पर फाइजर की जाविसेप्टा और एम्ब्लेकियो जैसी दवाओं के लेबल लगे थे। हालांकि, इन दवाओं की वास्तविक

संरचना, गुणवत्ता और संभावित नुकसान का निर्धारण प्रयोगशाला जांच तथा संबंधित अधिकारियों की पुष्टि के बाद ही किया जा सकता है। इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि गिरोह ने कथित रूप से काम को अलग-अलग हिस्सों में बांट रखा था। सस्ती या सामान्य दवाएं विभिन्न राज्यों से खरीदी जाती थीं। इसके

बाद उन्हें शीशियों में भरकर महंगी दवाओं के नकली लेबल लगाए जाते थे। तैयार माल को असली दवाओं की खेप के साथ बाजार में पहुंचाने की कोशिश की जाती थी। इस तरीके से अस्पतालों, दवा विक्रेताओं और मरीजों के लिए असली तथा नकली उत्पादों में अंतर करना कठिन हो सकता है। जब किसी प्रतिष्ठित कंपनी की पैकेजिंग, नाम और क्यूआर कोड की नकल कर ली जाए, तब केवल बाहरी स्वरूप देखकर दवा की प्रामाणिकता पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं रह जाता।

नकली दवाओं का खतरा केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं है। मरीज जब किसी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए दवा खरीदता है, तो उसे विश्वास होता है कि निर्धारित औषधि उसके स्वास्थ्य में सुधार करेगी। लेकिन यदि दवा में आवश्यक सक्रिय तत्व मौजूद न हो, उनकी मात्रा गलत हो अथवा उसमें हानिकारक पदार्थ मिले हों, तो उपचार प्रभावित हो सकता है। बीमारी बढ़ सकती है और मरीज को समय पर उचित उपचार नहीं मिल पाने का खतरा भी पैदा हो सकता है।

## गिरता युवा स्वास्थ्य : जानलेवा बन रही है भर्ती की दौड़?

मनोज कुमार अग्रवाल

भारतीय सेना पुलिस और अग्निवीर भर्ती रैलियों के दौरान अत्यधिक शारीरिक तनाव और कठिन दौड़ के कारण अर्थाथियों की मौत और बेहोश होने की दुखद घटनाएं सामने आ रही हैं । लेकिन हाल ही में उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में यूपी पुलिस सिपाही भर्ती की शारीरिक दख्ता परीक्षा (दौड़) के दौरान दो अर्थाथियों की मौत हो गई है।जानकार लोगों का कहना है कि युवाओं का खेल के मैदान के स्थान पर मोबाइल स्क्रीन अधिक समय बिताने और पोस्टिक भोजन की कमी से युवा स्वास्थ्य में भारी गिरावट आ रही है।

गोविंदपुरम स्थित 47वीं वाहिनी पीएसो बटालियन का मैदान, गाजियाबाद में मथुरा के रहने वाले 25 वर्षीय अतुल कुमार, जिनको सोमवार को दौड़ के दौरान तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल पहुंचाया गया और मौत हो गई।वहीं दूसरे अर्थाथी शमली जिले के पुरमाफी गांव के रहने वाले 23 वर्षीय विवेक राणा, जिन्होंने मॉलवार को नौ चक्कर लगाने के बाद सीने में दर्द की शिकायत की और जमीन पर गिरकर दम तोड़ दिया। आपको बता दें कि मंगलवार को दौड़ के दौरान तबीयत बिगड़ने से 12 अन्य अर्थाथियों को भी अस्पताल भेजना पड़ा। पुलिस का अंदेशा है कि इन मौतों की वजह हार्ट अटैक (दिल का दौरा) हो सकती है। पुलिस और सुरक्षा बलों की शारीरिक दख्ता परीक्षा (दौड़) के दौरान अर्थाथियों की अचानक तबीयत बिगड़ने और मौत होने की घटनाएं पहले भी कई बार सामने आ चुकी हैं। अत्यधिक शारीरिक तनाव, डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) और कार्डियक अरेस्ट को इन घटनाओं का मुख्य कारण माना जाता रहा है। हाल के वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं बेहद दुखद रही हैं पुलिस भर्ती (सितंबर 2026): दिल्ली के वज्जीराबाद में दिल्ली पुलिस कांस्टेबल पद के लिए चल रहे फिजिकल टेस्ट के दौरान एक 23 वर्षीय अर्थाथी दौड़ते समय अचानक बेहोश हो गया। डॉक्टरों ने उसे अस्पताल में मृत घोषित कर दिया। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश होमागार्ड भर्ती (सितंबर 2026) मेरठ के कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम में होमागार्ड भर्ती की दौड़ के दौरान एक अर्थाथी की मौत हो गई थी और शारीरिक परीक्षा के दौरान 11 अन्य उम्मीदवारों की तबीयत बिगड़ गई थी।

हरियाणा पुलिस कांस्टेबल भर्ती (जुलाई 2026) पंचकूला में चल रही पुलिस भर्ती के दौरान महेंद्राढ़ के रहने वाले 27 वर्षीय कपिल की ढाई किलोमीटर की दौड़ के दूसरे राउंड में सांस फूलने और ट्रेक पर गिरने से मौत हो गई। उनकी मौत की वजह भी अचानक हार्ट बीट बढ़ने से आया अटैक बताई गई थी। इसी तरह पुणे पुलिस भर्ती (मार्च 2026) महाराष्ट्र के पुणे में शिवाजीनगर पुलिस मुख्यालय के मैदान पर 1600 मीटर की दौड़ के दौरान बुल्डोजा निवासी 23 वर्षीय पुरुषोत्तम बुरकुल को अचानक दौरा पड़ा और वे जमीन पर गिर गए, जिसके बाद अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अलीगढ़ में 38वीं पीएसो बटालियन परिसर में सब-इंस्पेक्टर (दरोगा) पद के लिए चल रही भर्ती परीक्षा में 29 वर्षीय एक कांस्टेबल की 4.8 किलोमीटर की दौड़ पूरी करने के बाद मौत हो गई थी। उस दौरान तेज गर्मी और उमस के कारण 15 अन्य अर्थाथी भी बेहोश हो गए थे। आपको यह भी बता दें कि सेना की 1600 मीटर ( 1.6 किमी) की दौड़ का समय बेहद कड़ा होता है, जिसके चलते युवा अपनी क्षमता से अधिक जोर लगाते हैं और इस दौड़ में अर्थाथी अपनी जी-जान लगा देते हैं हाल के वर्षों में की युवा अर्थाथी भर्ती का सपना संजो कर आए थे लेकिन जीवन ही गंवा गए विशाखापट्टनम अग्निवीर भर्ती (सितंबर 2026)आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में आरके बीच रोड पर चल रही सेना की अग्निवीर भर्ती रैली के दौरान एक 18 वर्षीय अर्थाथी (गिन्नी शेफाली राव) तड़के करीब 4:30 बजे दौड़ में शामिल हुआ।उसने 1600 मीटर की दौड़ पूरी कर ली और क्वालीफाई भी हो गया। लेकिन फिनिशिंग लाइन पार करने के तुरंत बाद उसे सांस लेने में भारी तकलीफ हुई और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुदुचेरी अग्निवीर भर्ती (अगस्त 2026)पुदुचेरी के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली के दौरान तमिलनाडु के अरुनी का रहने वाला 20 वर्षीय कॉलेज छात्र (गोकुल) फिजिकल टेस्ट का हिस्सा बना। टाइम-रनिंग सेगमेंट (समयबद्ध दौड़) के दौरान अचानक वह ट्रेक पर ही ढह गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जोधपुर सेना भर्ती (अगस्त 2025)राजस्थान के जोधपुर में सीमा सुरक्षा बल के मंडोर कैम्प में चल रही सेना भर्ती रैली में बीकानेर का 22 वर्षीय युवक (मुनीराम) दौड़ लगा रहा था।फिनिशिंग लाइन के बेहद करीब पहुंचने पर वह अचानक गिर गया।

### कुलभूषण उपमन्यु

अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाएं औद्योगीकरण पर ही टिकी हुई हैं, इसलिए कोई भी उद्योगों से पैदा होने वाली पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय समस्याओं पर बोलना नहीं चाहता। लेकिन हर सहनशीलता की भी एक सीमा है। उद्योग एक ओर रोजगार देकर आम आदमी को राहत देते हैं, तो दूसरी ओर हवा, पानी, मिट्टी को प्रदूषित करके जीवनयापन की स्थितियों को बीमारियों के भंवर में फंसा देते हैं। पर्यावरण को पहुंचने वाले नुकसान के आधार पर उद्योगों को शुन्य से एक सौ के स्केल से मापा जाता है। 60 सूचकांक से ज्यादा प्रदूषक उद्योगों को लाल सूची में डाला गया है। सीमेंट, खनिज तेल रिफाइनरी, बड़े स्तर का खनन, ताप विद्युत परियोजनाएं और रासायनिक उत्पादन इकाइयों को इस श्रेणी में रखा गया है। इस श्रेणी के लिए पर्यावरणीय कानूनों के अंतर्गत उद्योग स्थापना और चालू करने के लिए स्वीकृति के सख्त प्रावधान हैं। दूसरी श्रेणी संतरी है। इसमें 41 से 59 प्रदूषण सूचकांक तक के उद्योग आते हैं। इसमें कम प्रदूषक गतिविधि वाले उद्योग आते हैं, जैसे खाद्य प्रसंस्करण, स्टोन क्रशर, ईट भट्टे और मध्यम दर्जे के उत्पादन। इनके लिए सामान्य स्थापना और प्रचालन स्वीकृतियां लेनी होती हैं।

# मिडलाइफ में होने वाली चीजों का असर वहीं तक सीमित नहीं रहता

### एन. रघुरामन

मिडलाइफ के वर्षों (मोटे तौर पर 36-60 वर्ष) में आप अपने शरीर और दिमाग को कैसे ट्यूट करते हैं, उसका व्यापक असर इस बात पर पड़ सकता है कि आगामी दशकों में आपकी उम्र कैसे बढेगी। संक्षेप में कहें तो मिडलाइफ हेल्थ आपके भविष्य की एक झलक है। मिडिल एज में आप जो बीज बोते हैं, जैसे एक्सरसाइज, हेल्दी खाना और अच्छा स्लीपिंग पैटर्न, वो आपके लंबे जीने में अहम भूमिका निभाते हैं। बुजुर्ग होने को लेकर आपकी धारणाएं महज झाड़ूकोलॉजिकल नहीं होती, वे शरीर में फिजिकली दिखती भी हैं।

जी हां, इसके वैज्ञानिक प्रमाण बढ़ रहे हैं कि मिडलाइफ में हेल्थ मार्कर्स आगामी जीवन की सेहत का अनुमान लगाने के लिए सच में बहुत कारगर होते हैं, बजाय इसके कि इन्हीं मार्कर्स को तब मापा जाए, जब आप बुजुर्ग हो चुके हों। इसके अलावा, मिडिल एज में रहे हमारे हेल्थ-इंडिकेटर्स, लाइफस्टाइल और माइंडसेट एक अहम बुनियाद की तरह काम करते हैं, जो सीधे तौर पर हमारी आगे की ज़िंदगी की हेल्थ, कॉग्निशन और लॉन्जेविटी को प्रभावित करती है।

आपके भविष्य की फिजिकल और कॉग्निटिव

फंक्शनिंग का काफी हद तक अनुमान लगाने वाले प्रमुख मिडलाइफ इंडीकेटर्स में जो चीजें शामिल हैं, वे हैं- ब्लड प्रेशर और कॉलेस्ट्रॉल लेवल, लंग फंक्शन और फिजिकल फिटनेस, ग्लूकोज लेवल और वजन तथा नौंद की गुणवत्ता।

यह बात हम भारतीयों के लिए अब ज्यादा महत्वपूर्ण क्यों है? क्योंकि भारत की आबादी अभी भी अपेक्षाकृत युवा है और यहां औसत उम्र करीब 29.2 वर्ष है। देश की आबादी का विशाल हिस्सा- 65% से ज्यादा- 40 से कम उम्र का है।

ऐसा कौन कहता है? डॉ. मार्गी लैचमैन ने अपनी हालिया किताब 'प्राइमटाइम : अ न्यू विजन फॉर मिडलाइफ' में मिडिल-एज पॉपुलेशन पर हुई 30 साल की रिसर्च के आधार पर बताया है कि मिडलाइफ आपकी बाकी ज़िंदगी के लिए सबसे महत्वपूर्ण मोड़ क्यों है।

वह क्या कहती है? डॉ. लैचमैन की रिसर्च बताती है कि जो लोग अपनी मिडलाइफ में नियंत्रण की मजबूत भावना और एजिंग को लेकर सकारात्मक नजरिया बनाए रखते हैं, उम्र बढ़ने के साथ उनकी कॉग्निटिव फंक्शनिंग और फिजिकल हेल्थ बेहतर रहती है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को मॉटेन रखने से लेकर लंग फंक्शन बेहतर रखने, ग्लूकोज लेवल, स्लीप क्वालिटी और वजन

पर नियंत्रण रखने तक फिजिकल फिटनेस की निगरानी बनाए रखना सबसे जरूरी है।

यह रिसर्च सेहत में सुधार के लिए 'मिडमॅ' अपॉर्च्युनिटी की बात भी करती है। डॉ. लैचमैन कहती हैं कि 'मिडलाइफ बदलाव करने का सबसे सही समय है। इससे न सिर्फ वर्तमान, बल्कि भविष्य में भी आपको फायदा होगा।' इसे समझने के लिए वे पढ़ाई का उदाहरण देती हैं। उनके मुताबिक मिडलाइफ कॉलेज के मिडटर्म की तरह है। यह ऐसा मोड़ है, जहां आप आकलन कर सकते हैं कि क्या चीज कारगर है और क्या नहीं। चूँकि आपके पास अब भी 'आधा सेमेस्टर' यानी ज़िंदगी के कई इश्क हाथ में हैं, इसलिए मिडलाइफ में शुरू किए गए लाइफस्टाइल और बिहेवियरल इंटरवेंशन भविष्य में आपकी सेहत को बहुत बेहतर करने के लिए जरूरी आधार देते हैं।

मिडलाइफ जीवन की ढलान या न टाले जा सकने वाले 'क्राइसिस' नहीं, बल्कि 'प्राइम टाइम' है- यानी भविष्य की रक्षा करने के लिए सोचे-समझे निर्णय करने का सबसे अच्छा समय। मिडलाइफ की छोटी-छोटी अच्छी आदतें कौन सी हैं? विशेषज्ञों ने बहुत-सी आदतें बताई हैं, उस लंबी सूची में से कुछ यहां पेश हैं। दोस्त के साथ रोजमर्रा के काम निपटाएं : अकसर

लोग सामाजिक मेलजोल को वेलेनस इंटरवेंशन नहीं मानते। मिडलाइफ की हकीकत यह है कि किसी व्यस्त दोस्त के साथ समय मिलाकर कोई काम करना तो दूर, खुद के लिए समय निकालना भी मुश्किल होता है। वॉक या वर्क आउट के लिए किसी दोस्त को जॉइन करें या उसके साथ किराना खरीदने ही चले जाएं। फर्मेटेड फूड खायें : मत भूलिए कि आपके शरीर में खरबों सूक्ष्मजीव, यानी माइक्रोबायोम रहते हैं। इन माइक्रोबायोम की सेहत का संबंध आपकी हेल्दी एजिंग से है। यह इम्यून सिस्टम से गहराई से जुड़ा है और शरीर में इम्प्लेमेशन को नियंत्रित करने में मदद करता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि उन जीवों की देखभाल के लिए उन्हें फर्मेटेड फूड खिलाएं।

विशेषज्ञ कहते हैं कि सीढ़ियां चढ़ने से लेकर रोज के खाने में कुछ प्रोटीन शामिल करने तक, रोजाना रात को एक ही समय पर सोने से लेकर गंभीर बीमारियों की फैमिली हिस्ट्री के बारे में अवेयर रहने और उनकी रोकथाम पर काम करने तक की आदतें अपनाएं, जो आपकी आगे की उम्र को बेहतर बनाएंगी। फंडा यह है कि मिडिल एज में आप अपनी देखभाल कैसे करते हैं, यह आपकी आगे की उम्र के लिए बहुत मायने रखता है। कुछ छोटी लेकिन अच्छी आदतें भी रिटायरमेंट की उम्र तक पहुंचने पर बड़ा फर्क ला सकती हैं।

# नवजीवन के प्रतीक स्त्री शक्ति के नौ रूप

### प्रमोद भार्गव

प्रतीक रूप में ये रूप अंततः मनुष्य की ही विभिन्न मनोदशाओं के परिष्कार से जुड़े हैं। इन मनोदशाओं को राक्षसी प्रवृत्ति कह सकते हैं, जो मनुष्य की नकारात्मक विक्तृतियों के भी प्रतीक हैं। इन रूपों के महत्व को जानते हैं। नवदुर्गा में शैल पुत्री प्रथम दुर्गा मानी जाती हैं। इनके हाथों में त्रिशूल और कमल पुष्प सुशोभित हैं। इनका वाहन वृषभ है। शैल पुत्री अपने पूर्वजन्म में दक्ष प्रजापति की कन्या थीं और इनका नाम सती रखा गया। पिता की इच्छा के विरुद्ध सती ने भगवान शिव से विवाह किया। दक्ष ने एक बार महायज्ञ का आयोजन किया। किंतु इसमें शिव व सती को आमंत्रित नहीं किया। इसे सती ने शिव का अपमान माना और बिना बुलाए ही यज्ञस्थल पर पहुंच गईं। वहां उन्होंने अपने पिता को शिव को आमंत्रित करने के लिए बाध्य किया। किंतु प्रजापति ने शिव का उपहास उड़ाया और उन्हें बुलाने से इनकार कर दिया। तब सती ने क्रोधित होकर यज्ञकुंड में कूदकर प्राणों की आहुति दे दी। शिव को जब सती के प्राण त्यागने का समाचार मिला तो उन्होंने अपने गणों को भेजकर यज्ञ का विध्वंस कर दिया। बाद में शिव सती के जले शिव को कंधे पर लेकर भटकते रहे। पुराणों में उल्लेखित है कि इस दौरान सती के अंग बारह स्थानों पर गिरें। उन्हें बारह ज्योतिर्लिंग की मान्यता प्राप्त है। अगले जन्म में यही सती शैलराज हिमालय के घर में पैदा हुई और शैलपुत्री कहलाई। उन्हें ही पार्वती कहा जाता है।

दुर्गा का दूसरा रूप ब्रह्मचारिणी का है, श्वेत वस्त्रधारी ब्रह्मचारिणी के एक हाथ में जपमाला और दूसरे में कमंडलु है। ब्रह्मचारिणी का जन्म पर्वराज हिमालय की पत्नी मैना के गर्भ से हुआ था। पहले इनका नाम शुभ लक्ष्णों को देखते हुए पार्वती रखा



गया। बाद में नारद मुनि ने हिमालय को बताया कि यही पार्वती पूर्व जन्म में सती थीं। इस रहस्य को जानने के बाद पार्वती में शिव को प्राप्त करने की इच्छा जागृत हो गई। इसके लिए देवी ने कठिन तपस्या की। इससे उनका शरीर कृशकाया में बदल गया। तपस्या से तीनों लोकों में हाहकार मच गया। तब ब्रह्मा ने उनके समक्ष उपस्थित होकर मनचाहा वर मांगने की प्रार्थना की। पार्वती ने शिव को मांगा।

ब्रह्मा ने पार्वती को आशीर्वाद तो दिया ही, उनकी काया को भी सुंदर रूप में बदल दिया। यहीं ब्रह्मा ने तप का अचरण करने के कारण ब्रह्मचारिणी का नाम दिया।

नवरात्रों के तीसरे दिन दुर्गा के शरीर से नई

देती है। दुर्गा का चौथा स्वरूप कूष्मांडा देवी का है। इनका निवास सूर्यलोक में है इसीलिए इनके शरीर की कान्ति और आभा सूर्य के समान सदैव प्रकाशित रहती है। सृष्टि के संपूर्ण प्राणियों में इन्हीं देवी का अलोक प्रदीप्त है। जब ब्रह्माण्ड का अस्तित्व नहीं था और चारों ओर अंधेरा था, तब इन देवी ने अपनी माँ मुसुकान द्वारा अंड अर्थात ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति की। इसी कारण इन्हें कूष्मांडा कहा गया। सिंह पर सवार कूष्मांडा अष्ट भुजाधारी हैं। इनके हाथों में कमण्डल, धनुष-बाण, कमल-पुष्प, अमृत-कलश, चक्र वगैरे सभी प्रकार की सिद्धियां व जपमाला सुशोभित हैं। दुर्गा का पांचवां रूप स्कंद माता का है। इनके पुत्र कार्तिकेय का एक नाम स्कंद है इसलिए इन्हें स्कंद माता कहा जाता है। सिंह पर सवार इन देवी की चार भुजाएं हैं। इनके दो हाथों में कमल पुष्प हैं एक हाथ वरदान की मुद्रा में है और दूसरा हाथ पुत्र स्कंद को गोद में लिए हैं। इस कारण ये पद्मासना देवी भी कहलाती हैं।

इनके बाद छठे दिन देवी काल्यायनी की पूजा की जाती है। काल्या नामक ऋषि की वंशजाली में एक प्रसिद्ध ऋषि कालायन हुए हैं। ये दुर्गा के भक्त थे। इस भक्ति से प्रसन्न होकर दुर्गा ने कालायन को दुर्गा में यही वरदान दे दिया। कुछ समय बाद जब पृथ्वी पर महिषासुर नाम के असुर का अत्याचार बढ़ गया, तब दुर्गा के तेज से कालायन की पत्नी की कोख से देवी काल्यायनी ने जन्म लिया। पुराणों में ऐसा कहा गया है कि इस तेज में ब्रह्मा, विष्णु और

महेश के तेज का भी समावेश है। चार भुजाधारी काल्यायनी का वाहन सिंह है। इनकी चार भुजाओं को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का प्रतीक माना गया है।

दुर्गा के सातवें रूप को देवी कालरात्रि के नाम से जाना जाता है। इनकी काया अमावस्या की गहरी काली रात की तरह काली है। इनके मस्तक पर तीन नेत्र विद्यमान हैं, जो ब्रह्मांड के समान गोल तथा तीन लोकों के प्रतीक हैं। इनके केंस घने एवं बिखरे हुए हैं। इनके गले में विद्युत ज्वाला सी प्रकाशित माला पड़ी हुई है। सांस लेते समय इनके नासिका छिद्रों से अग्नि की लपटें निकलती रहती हैं। इनकी सवारी गधा है और ये चार भुजाओं वाली हैं। इनके दो हाथों में तलवार और नकुली अस्त्र है। जबकि एक हाथ वरदान की मुद्रा में और दूसरा अभय की मुद्रा में है। इन देवी को राक्षस और भूत-प्रेत का विनाश करने वाली देवी माना जाता है।

दुर्गा पूजन के आठवें दिन महागौरी की उपासना की जाती है। महागौरी ने शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए लंबे समय तक तपस्या की। इस समय उन्होंने धूप, आंधी, वर्षा और ठंड के थपेड़े सहें। इस कारण उनका शरीर कृशकाय और काला हो गया। अंत में जब भगवान शिव ने पार्वती रूपी इन महागौरी को पत्नी रूप में स्वीकार किया कि तब शिव ने अपनी जटाओं से निकलने वाली रंगा की जलधार से पार्वती का शरीर धोया। इस पवित्र और शुद्ध गंगाजल से पार्वती का मेल धुल गया और उनका शरीर गौर वरणी की तरह चमकने लगा। इसी कारण वे महागौरी के नाम से जानी जाती हैं।

नर्मदापुरम में शारदीय नवरात्रि की धूम, 120 स्थानों पर विराजेगी मां दुर्गा

## महाकाली मंदिर में एक करोड़ रुपए के सोने-चांदी के आभूषणों से होगा माता का श्रृंगार, शहर में चार स्थानों पर होंगे बड़े गरबा आयोजन



**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** शहर में रविवार, 11 अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ शुरू हो गया शक्ति की आराधना के इस

नौ दिवसीय पर्व को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है इस वर्ष नर्मदापुरम में करीब 120 स्थानों पर मां दुर्गा, मां काली और भगवान शिव की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी इनमें 80

स्थानों पर बड़ी और 40 स्थानों पर छोटी प्रतिमाएं विराजेगी वहीं, नवरात्रि के दौरान शहर में चार प्रमुख स्थानों पर बड़े गरबा आयोजन किए जाएंगे प्रतिमा स्थापना को लेकर पंडालों में

तैयारियां पूरी कर ली गई हैं शनिवार से ही गुप्ता ग्राउंड से बैंड-बाजे के साथ प्रतिमाओं को पंडालों तक ले जाने का सिलसिला शुरू हो गया था। रविवार को भी स्थापना का क्रम जारी रहा विभिन्न स्थानों पर आकर्षक पंडाल सजाए गए हैं जहां नौ दिनों तक पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

**महाकाली मंदिर में एक करोड़ के आभूषणों से श्रृंगार:** जुमेराती स्थित प्रसिद्ध महाकाली मंदिर में नवरात्रि के दौरान विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। यहां विराजमान मां काली को बड़ी सेठानी और जुमेराती की महारानी के नाम से भी जाना जाता है मंदिर में माता को श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित सोने-चांदी के आभूषणों की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपए बताई जाती है।

भक्त अपनी मनोकामना पूरी होने पर या श्रद्धा के अनुसार माता को आभूषण अर्पित करते हैं नवरात्रि में इन्हीं आभूषणों से माता का विशेष श्रृंगार किया जाएगा माता के आगमन और पूजन को लेकर मंदिर क्षेत्र में विशेष सजावट की तैयारी है। शाम को सड़क को फूलों से सजाया जाएगा श्रद्धालु घरों में रंगोली बनाएंगे और उत्सव के दौरान आतिशबाजी भी की जाएगी।

**2003 से हो रहा शतचंडी महायज्ञ:** महाकाली मंदिर में वर्ष 2003 से लगातार शतचंडी महायज्ञ आयोजित किया जा रहा है मंदिर समिति के अनुसार यह अनुष्ठान जनहित और जनकल्याण की कामना से किया जाता है नवरात्रि के सभी नौ दिनों तक मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-पाठ होंगे इस दौरान बड़ी संख्या में

श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

**शुभ योगों के बीच मनेगा नवरात्रि पर्व:** इस वर्ष नवरात्रि में हस्त नक्षत्र, शुक्ल योग और गजकेसरी योग का संयोग बताया गया है धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गजकेसरी योग को बुद्धिमता, समृद्धि और सिद्धि से जोड़कर देखा जाता है इस बार माता का वाहन हाथी माना गया है नवरात्रि के दौरान चार से पांच दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और दो दिन अमृत सिद्धि योग रहने की बात कही गई है महाअष्टमी और महानवमी पर रवि योग का संयोग भी बनेगा। नवरात्रि के समापन के बाद 20 अक्टूबर को विजयादशमी मनाई जाएगी। 21 अक्टूबर की सुबह भी दशमी तिथि रहने के कारण उस दिन भी कुछ धार्मिक अनुष्ठान किए जा सकेंगे।



**मीडिया ऑडीटर,शिवपुरी ( निप्र )।** शहर में पारसल विवाद को लेकर व्यापारी के साथ मारपीट और गोली चलाने के आरोपों के बाद मामला गरमा गया है दोनों पक्षों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने से नाराज पार्षद मद्दू खटीक रविवार को देहात थाने पहुंचे उन्होंने पुलिस से निष्पक्ष जांच कर पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने की मांग की साथ ही चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो खटीक समाज सड़क पर उतरकर विरोध करेगा।

**पांच पारसल गायब होने को लेकर हुआ विवाद:** जानकारी के अनुसार, मामला शिवपुरी के हरे कृष्णा होटल का है 9 अक्टूबर को मुरना निवासी व्यापारी मनोज खटीक अपने पांच लापता पारसलों के संबंध में बस मालिक तनय भदौरिया से मिलने पहुंचे थे इसी दौरान पारसलों को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। मनोज खटीक का आरोप है कि विवाद के दौरान उनके भाई सुरेश खटीक पर लाठी से हमला किया गया जिससे उनके सिर और चेहरे पर चोटें आईं घायल सुरेश को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

## शिवपुरी में बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत,गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में कराया गया था भर्ती, इलाज के दौरान तोड़ा दम

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** जिले के खनियांधाना क्षेत्र में शनिवार शाम सड़क हादसे में बाइक सवार 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। बालाजी बस सर्विस की बस ने युवक की बाइक को टक्कर मार दी थी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया हादसे के बाद घायल को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खनियांधाना ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज शिवपुरी रेफर कर दिया गया यहां इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना खनियांधाना क्षेत्र के पोठयाई गांव में मंदिर के पास रेडी रोड पर हुई टपरियन, देवखो गांव निवासी रविंद्र सिंह लोधी (28) बाइक से जा रहे



थे इसी दौरान बालाजी बस सर्विस की बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी टक्कर इतनी गंभीर थी कि रविंद्र घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और

उन्हें गंभीर चोटें आईं हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को उपचार के लिए सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र खनियांधाना पहुंचाया वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन उनकी हालत नाजुक होने के कारण बेहतर इलाज के लिए

मेडिकल कॉलेज शिवपुरी भेज दिया गया। मेडिकल कॉलेज शिवपुरी में डॉक्टरों की देखरेख में युवक का उपचार किया जा रहा था हालांकि गंभीर चोटों के चलते उसकी जान नहीं बचाई जा सकी युवक की मौत की खबर मिलने के बाद परिजनों में शोक का माहौल है दुर्घटना की सूचना मिलते ही खनियांधाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया पुलिस हादसे से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है लगातार हो रहे सड़क हादसों के बीच यह घटना एक बार फिर यातायात के दौरान सावधानी बरतने की जरूरत को रेखांकित करती है हालांकि दुर्घटना के सटीक कारणों का खुलासा पुलिस की जांच के बाद ही हो सकेगा।



**मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ ( निप्र )।** छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध 75 दिवसीय बस्तर दशहरा की ऐतिहासिक धार्मिक परंपरा काछनागादी की रस्म शनिवार रात जगदलपुर के भंगाराम चौक स्थित काछनागुड़ी में निभाई गई इस दौरान पनका समाज की 12 वर्षीय पीहू दास पर काछनदेवी सवार हुईं देवी ने बेल के कांटों से बने विशेष झूले पर झूलकर बस्तर दशहरा मनाने की अनुमति दी इसके साथ ही दशहरा उत्सव की आगे की धार्मिक रस्मों का मार्ग प्रशस्त हुआ। मान्यता है कि यह परंपरा करीब 618 साल पुरानी है।

**नौ दिन की पूजा के बाद निभाई रस्म:** पीहू दास पांचवीं कक्षा की छात्रा हैं। काछनागादी की रस्म से पहले उन्होंने करीब नौ दिनों तक देवी की पूजा-

अर्चना की और उपवास रखा। पीहू इससे पहले भी चार बार इस परंपरा में शामिल हो चुकी हैं। पनका समाज की कन्या द्वारा यह रस्म निभाने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है इससे पहले अनुराधा ने करीब पांच से छह वर्षों तक यह जिम्मेदारी निभाई थी।

**22 पीढ़ियों से बन रहा कांटों का झूला:** काछनागादी की रस्म में इस्तेमाल होने वाला बेल के कांटों से बना विशेष झूला भी परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है लामनी निवासी जगत राम नेताम का परिवार करीब 22 पीढ़ियों से इस झूले को तैयार करता आ रहा है। परिवार के सदस्य जंगल से बेल की कटिदार खलियां लाकर झूला बनाते हैं। इस धार्मिक जिम्मेदारी को परिवार लंबे समय से निभा रहा है रस्म के दौरान परिवार के घर में नौ दिनों तक अखंड दीपक भी जलाया जाता है।

**अलग-अलग समाजों को मिली हैं जिम्मेदारियां:** बस्तर दशहरा की विशेषता यह है कि इसमें विभिन्न समाजों और गांवों की महत्वपूर्ण भागीदारी रहती है। झारउमर और बेछउमर गांवों के ग्रामीणों को रथ निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई है जबकि काछनागादी की रस्म पनका समाज की कन्या निभाती है 618 साल पुरानी मानी जाने वाली यह परंपरा बस्तर की सांस्कृतिक विरासत, लोकआस्था और सामुदायिक सहभागिता का प्रतीक है पीढ़ियों से चली आ रही इन परंपराओं के माध्यम से बस्तर दशहरा की विशिष्ट पहचान आज भी कायम है।

## डीजे बंद कराने पहुंचे पुलिसकर्मियों पर मारपीट का आरोप, शराब के नशे में होने का भी दावा थाना प्रभारी ने आरोपों को बताया निराधार

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र में रविवार देर रात माता के पंडाल के पास डीजे बंद कराने और सड़क से जाम हटवाने को लेकर विवाद हो गया मौके पर पहुंचे दो पुलिसकर्मियों पर लोगों ने लाठियां चलाने और मारपीट करने का आरोप लगाया घटना से नाराज लोग फिजिकल थाने पहुंच गए और घेराव कर दोनों पुलिसकर्मियों को हटाने की मांग की देर रात करीब डेढ़ बजे तक हंगामा चलता रहा हालांकि थाना प्रभारी ने पुलिसकर्मियों के शराब पीने और मारपीट करने के आरोपों को निराधार बताया है।

**डीजे और जाम को लेकर हुआ विवाद:** जानकारी के अनुसार फिजिकल थाने से कुछ ही दूरी पर



माता की प्रतिमा स्थापना की तैयारियां चल रही थीं रविवार रात करीब 11 बजे सड़क के बीच डीजे लगाया गया था वहां लोगों की भीड़ जुटने से यातायात बाधित हो गया और जाम की स्थिति बन गई रात करीब 12:30 बजे दो पुलिसकर्मी डीजे बंद कराने और

सड़क से जाम हटवाने के लिए मौके पर पहुंचे इस दौरान विवाद की स्थिति बन गई लोगों का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने लाठियां चलाईं और उनके साथ मारपीट की इसके बाद दोनों पुलिसकर्मी अपना वाहन लेकर वहां से चले गए घटना से

आक्रोशित लोग फिजिकल थाने पहुंचे और घेराव कर दिया प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि दोनों पुलिसकर्मी शराब के नशे में थे और पंडाल में पहुंचकर लोगों के साथ मारपीट की उन्होंने पुलिसकर्मियों को थाने से हटाने की मांग की हंगामे की सूचना मिलने पर अन्य थानों से भी पुलिस बल बुलाया गया पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया देर रात करीब डेढ़ बजे तक चले घटनाक्रम के बाद स्थिति शांत हुई फिजिकल थाना प्रभारी अवनीश सिंह राठी ने बताया कि रात करीब 12 बजे पुलिस गश्त पर निकली थी इस दौरान सड़क पर डीजे बजने और जाम लगने की स्थिति मिलने पर पुलिस ने उसे बंद करने के लिए कहा था।

## विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने नो नेगेटिव मंडे की तारीफ की, कलेक्टर बोले- नर से भी भारी है नारी



**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** की ओर से शनिवार रात वाट्सन होटल में नारी शक्ति एवं उत्कृष्ट सेवा सम्मान समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्करोन्नीय कार्य

करने वाली 70 महिलाओं और पुरुषों को सम्मानित किया गया समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा

एस. थोथ मौजूद रहे अतिथियों ने सम्मानित प्रतिभाओं के योगदान की सरहना करते हुए उनके कर््यों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया समारोह में खेल जगत की प्रतिभाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया

गया। एशियन गेम्स 2026 में हॉकी में स्वर्ण पदक जीतने वाले विवेक सागर, सेलिंग में कंसय पदक विजेता हर्षिता तोमर के पिता वेंकट सिंह तोमर और सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी आध्या तिवारी को सम्मानित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले लोगों के योगदान को पहचान देना और अन्य लोगों को प्रेरित करना रहा।

**विधायक बोले- सोमवार का अखबार सबसे अच्छा लगता है** विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने दैनिक भास्कर को नो नेगेटिव मंडे अभियान की सरहना की उन्होंने चुटौती अंदाज में कहा कि सोमवार को अखबार में सकारणत्मक खबरें पढ़ने को मिलती हैं इसलिए उन्हें सोमवार का अखबार सबसे अच्छा लगता है उन्होंने कहा कि बाकी छह दिन खबरें पढ़कर धड़कन बढ़ जाती है जबकि नो

नेगेटिव मंडे का विचार अच्छा है। उन्होंने नर्मदापुरम की खेल गतिविधियों और नागरिकों की सरहना करने के लिए पुलिस अधीक्षक का आभार भी जताया विधायक ने कहा कि खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने से शहर को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

**कलेक्टर बोले- जिम्मेदारियों के साथ आगे बढ़ती हैं महिलाएं:** कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सम्मानित महिलाओं और उत्कृष्ट सेवा सम्मान प्राप्त करने वालों को बधाई दी उन्होंने कहा कि दैनिक भास्कर समाचारों में बेबाकी से अपनी बात रखता है और उसी तरह यह सम्मान समारोह भी प्रेरणादायी है कलेक्टर ने नारी शक्ति की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाएं कार्यक्षेत्र में अपनी प्रतिभा और मेहनत से पहचान बनाती

हैं। इसके साथ ही उन्हें घर-परिवार की जिम्मेदारियां भी निभानी पड़ती हैं उनकी कार्यशैली, गंभीरता और लगन समाज के लिए प्रेरणा बनती है उन्होंने कहा कि महिलाओं का योगदान हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण है और उनकी उपलब्धियों को सम्मान मिलना चाहिए।

**गणमान्य नागरिक हे मौजूद:** कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव, नया सभापति आरती बैस और एसपीएम के जीएम सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। दैनिक भास्कर के स्टेट एडिटर राजीव शर्मा, मार्सेंटा स्टेट हेड सीनियर पेंटर, स्थानीय संपादक बसंत शर्मा और यूनिट हेड सीपी भागव ने अतिथियों का सम्मान किया कार्यक्रम का संचालन सुनील बाजपेई ने किया जबकि आभार सिटी चौफ सुधीर व्यास ने व्यक्त किया।

## सूरजपुर में मां-बेटे की हत्या से सनसनी, घर के बाथरूम में मिली महिला शिक्षक की लाश

**मीडिया ऑडीटर, सूरजपुर ( निप्र )।** छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में एक महिला शिक्षक और उसके 18 वर्षीय बेटे की हत्या का मामला सामने आया है। शनिवार सुबह युवक का शव ग्राम महावीरपुर में सड़क किनारे मिला था उसकी पहचान होने के बाद पुलिस जब देर रात उसके घर पहुंची, तो वहां उसकी मां का शव भी संदिग्ध परिस्थितियों में मिला घटना जयनगर थाना क्षेत्र की है मां-बेटे की मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सड़क किनारे मिला था 12वीं के छात्र का शव: जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह महावीरपुर में नेशनल हाईवे-43 से जुड़ी ग्रामीण सड़क के किनारे एक युवक का शव मिला था उसके शरीर पर चोट के



निशान थे शुरुआती परिस्थितियों के आधार पर आशंका जताई गई कि युवक की हत्या के बाद शव वहां छोड़ा गया होगा पहचान नहीं होने पर शव को विश्रामपुर की मॉर्च्युरी भेज दिया गया था बाद में मृतक की पहचान विश्रामपुर के

कार्मल कॉन्वेंट स्कूल में कक्षा 12वीं के छात्र सुजल बरेट (18) के रूप में हुई जांच के दौरान पुलिस को उसकी स्कूटी घर से करीब 500 मीटर दूर एक पेट्रोल पंप पर लावारिस हालत में खड़ी मिली। घर का ताला तोड़ने पर मिला मां का शव: सुजल की पहचान होने के बाद पुलिस देर रात उसके घर मुख्य दरवाजे पर ताला लगा था और उसकी मां रजनी बरेट (40) का भी पता नहीं चल रहा था इसके बाद पुलिस ने महिला के परिचितों को मौके पर बुलाया और उनकी मौजूदगी में घर का ताला खुलवाया घर के बाथरूम में रजनी का शव मिला रजनी बेलटिकरी के शासकीय स्कूल में शिक्षिका थीं करीब पांच साल पहले पति से तलाक होने के बाद वह अपने बेटे के साथ किराए के मकान में रह रही थीं।

## दीपावली की तैयारी के दौरान हादसा कुएं में गिरने से 18 वर्षीय युवती की मौत

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के छितीपुर गांव में रविवार दोपहर दीपावली की तैयारियों के बीच दुखद हादसा हो गया घर की लिपाई-पुताई के लिए खेत में बने कच्चे कुएं के पास मिट्टी खोद रही 18 वर्षीय युवती का अचानक पैर फिसल गया और वह कुएं में गिर गई ग्रामीणों ने करीब दो घंटे की मशकत के बाद उसे बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार छितीपुर निवासी सोनम जाटव (18), पुत्री सुरेश जाटव, रविवार दोपहर अपने खेत में मिट्टी खोद रही थी दीपावली नजदीक होने के कारण घर की लिपाई-पुताई के लिए मिट्टी एकत्र की जा रही थी इसी दौरान कुएं के पास अचानक उसका पैर फिसल गया और वह अंदर गिर गई। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे युवती के कुएं में गिरने की सूचना दिनारा पुलिस को भी दी गई ग्रामीणों ने उसे सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास शुरू किए करीब दो घंटे की मशकत के बाद कांटे की मदद से सोनम को बाहर निकाला गया लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। सोनम की सगाई कुछ महीने पहले ही हुई थी परिवार दीपावली की तैयारियों में जुटा था लेकिन अचानक हुए इस हादसे ने घर की खुशियों को मातम में बदल दिया जवान बेटा की मौत से परिजन सदमे में हैं। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है सूचना मिलने पर दिनारा पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई की पुलिस ने मार्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है हादसे से जुड़ी परिस्थितियों की जानकारी जुटाई जा रही है। त्योहार से ठीक पहले हुई इस घटना से गांव के लोग भी दुखी हैं।

### संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय शिक्षा समामगम 2026 की थीम पर सांस्कृतिक एवं वैचारिक कार्यक्रम का आयोजन



**मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)।** राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा में शासन के आदेश से अखिल भारतीय शिक्षा समामगम 2026 की थीम पर सांस्कृतिक एवं वैचारिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित विकास को नाट्य रूप में प्रस्तुत किया। वैचारिक कार्यक्रम के अंतर्गत ‘एन ईपी: शिक्षा से विकसित भारत’ की थीम पर पैनुल चर्चा आयोजित हुई। इसमें ‘भारत में शिक्षा का भविष्य’ विषय पर महाविद्यालय की छात्राओं और प्राध्यापकों ने अपने विचार रखे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बी.डी. अहिस्वार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि समय लगातार परिवर्तन शील होता है। समय के साथ हमारे ज्ञान-विज्ञान और सभ्यता के आयामों में बदलाव होता रहता है। इसलिए शिक्षा-व्यवस्था को इन परिवर्तनों के आलोक में नया रूप देना पड़ता है। हम विकसित भारत के स्वप्न के साथ शिक्षा के भविष्य को जोड़ चुके हैं। दोनों एक दूसरे को प्रभावित करता रहेगा। इस चर्चा में डॉ. सीमा चक्रवर्ती, प्रो. अस्सुराजी नंदन मिश्र, प्रो. नीतू दांगी, पंकज शरण वास्तव के साथ महाविद्यालय की छात्राओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजुला अलबर्ट ने किया। कार्यक्रम में डॉ मलखान सिंह, प्रो. विशाखा नागर, डॉ. ऋचा शर्मा, डॉ. रमा सिंह के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं स्टाफ का सक्रिय सहयोग रहा।

**सेवा संकल्प अभियान के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित**

**मीडिया ऑडीटर, खण्डवा (निप्र)।** प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस नीलकंठेश्वर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. सोमपाल सिंह ने बताया की कार्यक्रम में जिला निर्वाचन कार्यालय से आए दुर्रंगेश भगत और सुनील बामने ने विद्यार्थियों को मतदाता पंजीयन प्रक्रिया, नाम जोड़ने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. सोमपाल सिंह ने मतदान को हर नागरिक का महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक कर्तव्य बताते हुए युवाओं से लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। डॉ. गणेश प्रसाद दावरे ने निष्पक्ष मतदान के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कार्यक्रम में प्रो. तुलसीराम बहगने, प्रो. विकास उपाध्याय, प्रो. राखी उड्के सहित करीब 150 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

**अवैध गुरम परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई**

**मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)।** कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशन में जिले में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज 09 अक्टूबर को खनिज शाखा विदिशा के प्रभारी अधिकारी एवं सहायक खनि अधिकारी द्वारा तहसील कुरवाई के ग्राम मेहरा में कार्रवाई की गई। कार्यवाही के दौरान खनिज मुफ्त का अवैध रूप से परिवहन कर वेयरहाउस की भरती किए जाने का मामला सामने आया। इस पर खनिज विभाग के अधिकारियों ने मौके से दो जब्त कर पुलिस चौकी कागपुर की अभिरक्षा में रखवाया।

**300 साल पहले बंजारों ने की थी सलकनपुर में विजयासन धाम की स्थापना**

**मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)।** मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के सलकनपुर के पास, एक हजार फीट उंचे विन्ध्य पर्वत पर, माता विजयासन देवी का मंदिर है। यह देश के प्रसिद्ध शक्तिपीठों में से एक है। पुराणों के अनुसार देवी विजयासन माता पार्वती का ही अवतार हैं। जिन्होंने देवताओं के आग्रह पर रक्तबीज नामक राक्षस का वध कर सृष्टि की रक्षा की थी। रक्तबीज का संहार कर विजय पाने पर देवताओं ने यहाँ माता को जो आसन दिया, वही विजयासन धाम के नाम से विख्यात हुआ, और माता का यह रूप विजयासन देवी कहलाया। एक किंवदंती यह भी प्रचलित है कि लगभग 300 साल पहले बंजारे अपने पशुओं के साथ जब इस स्थान पर विश्राम करने के लिए रुके तब अचानक उनके सारे पशु गायब हो गए।

## खंडवा में सड़क पर गिरा करंट वाला तार

ट्रैफिक पुलिस ने रूट डायवर्ट किया, सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

**मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)।** खंडवा के घंटाघर चौक पर शनिवार रात अचानक LT बिजली लाइन टूटकर सड़क पर गिर गई। तार में करंट प्रवाहित होने के कारण मौके पर बड़ा हादसा होने का खतरा पैदा हो गया। अचानक हुई इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

इसी दौरान मौके पर मौजूद ट्रैफिक महिला कॉन्स्टेबल लक्ष्मी और कॉन्स्टेबल कुंदन मंडलोई ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल ट्रैफिक डायवर्ट कराया।

पुलिसकर्मियों की सूझबूझ से सड़क पर गिरे करंट वाले तार को चपेट में आने से लोग बच गए और एक बड़ा हादसा टल गया।

दअसल, घंटाघर चौक शहर का हृदयस्थल है। यहां देर रात तक लोगों की आवाजाही बनी रहती है और वाहनों का दबाव भी रहता है।

ऐसे व्यस्त इलाके में अचानक बिजली का तार सड़क पर गिरने से राहगीरों और



वाहन चालकों के लिए खतरा पैदा हो गया था।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभाला

और वाहनों को दूसरे रास्तों से निकालना शुरू किया, ताकि कोई वाहन चालक या राहगीर तार के संपर्क में न आए।

20 मिनट बाद पहुंची बिजली

## रतलाम में कपास-मक्का के बीच उगा रखा था गांजा

17 किलो जब्त, खेत मालिक समेत दो आरोपी गिरफ्तार



**मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)।** रतलाम के शिवगढ़ में खेत में कपास व मक्का के बीच अवैध रूप से उगा रखे गांजे के 127 पौधे पुलिस ने जब्त किए है। जिनका वजन 17.025 किलो है। बरामद पौधे की कीमत 1.50 लाख रुपए है। पुलिस

ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया है। शिवगढ़ थाना प्रभारी लिलियन मालवीय ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी। वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। टीम बनाकर एसडीओपी सैलाना लेखराज मौणा

(आईपीएस) के नेतृत्व में टीम ने दबिश दी। टीम ने ग्राम जाम्बुकुड़ी निवासी प्रभुलाल पिता रखमा पारगी ने अपने खेत में पहुंचे घेराबंदी की। खेत में दो व्यक्ति काम करते दिखाई दिए।

127 हरे पौधे उगे हुए मिले: पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने दोनों को पकड़कर पृछताछ की। पृछताछ में उनकी पहचान प्रभुलाल (35) पिता रखमा पारगी निवासी ग्राम जाम्बुकुड़ी थाना शिवगढ़ तथा प्रकाश (29) पिता विश्राम देवधा, निवासी मनासा थाना शिवगढ़ हाल मुकाम ग्राम जाम्बुकुड़ी के रूप में हुई।

पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे वाले खेत की तलाशी लेने पर कपास एवं मक्का की फसल के बीच अलग-अलग स्थानों पर गांजे जैसे हरे पौधे उगे हुए मिले। पुलिस टीम ने पंचों के समक्ष पौधों की पहचान एवं गिनती की। जिसमें कुल 127 हरे पौधे उगे हुए मिले। दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार किया। गांजे की अवैध खेती से संबंधित अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है।

## जिला चिकित्सालय विदिशा में थायराइड की बड़ी गठान का सफल ऑपरेशन, स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ी उपलब्धि

**मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)।** जिला चिकित्सालय विदिशा में गले में थायराइड ग्रंथि की बड़ी गठान से पीड़ित मरीज का जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। जिला चिकित्सालय में इस प्रकार की सर्जरी का सफलतापूर्वक संपन्न होना स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गले में बड़ी गठान की समस्या से पीड़ित मरीज को जिला चिकित्सालय विदिशा में भर्ती किया गया था। चिकित्सकों द्वारा आवश्यक जांच एवं बायोप्सी के उपरांत थायराइड ग्रंथि में बड़ी गठान की पुष्टि हुई।

इसके बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीज का ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। यह जटिल ऑपरेशन डॉ.



विवेक गुप्ता (नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ) तथा डॉ. विनय गोलनदाज (सर्जरी विशेषज्ञ) द्वारा सफलतापूर्वक

किया गया। ऑपरेशन के दौरान एनेस्थीसिया की जिम्मेदारी डॉ. रवि श्रीवास्तव, डॉ. अंकित श्रीवास्तव,

रेंजिंडेंट डॉक्टर डॉ. प्रियंका एवं डॉ. योगेश द्वारा निभाई गई। ऑपरेशन के पश्चात मरीज की स्थिति सामान्य बताई गई है। जिला चिकित्सालय विदिशा में इस प्रकार की जटिल सर्जरी का सफल होना चिकित्सकों की विशेषज्ञता, समन्वय एवं समर्पण को दर्शाता है। जिला चिकित्सालय विदिशा में इस जटिल ऑपरेशन का सफलता से स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है। यह उपलब्धि शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति आमजन का विश्वास मजबूत करने के साथ-साथ मरीजों को अपने ही जिले में विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है।

## बदलते मौसम में निमोनिया से बचाव एवं उपचार की दी सलाह

**मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)।** बदलते मौसम में बच्चों में निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं उसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने आम जनों को सलाह दी है कि निमोनिया के आकलन, निमोनिया का वर्गीकरण, खतरनाक लक्षणों के चिन्हों की पहचान, समुदाय आधारित निमोनिया का प्रबंधन, उपचार एवं रेफरल के संबंध में मैदानी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बदलते मौसम में बच्चों को निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं इसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए विभाग तैयार है। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की एएनएम को निमोनिया के संबंध जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सर्दी के मौसम में बच्चों में निमोनिया के केसेस ज्यादा पाए जाते हैं। इसे देखते हुए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अवगत किया गया है। जिससे कि वह अपने क्षेत्र में निमोनिया के लक्षण वाले बच्चों की शीघ्र पहचान कर शीघ्र प्रबंधन कर सकें। निमोनिया फेफड़े का संक्रमण है। जिससे फेफड़ों में सूजन हो जाती है। निमोनिया होने पर बुखार खांसी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। तेज सांस चलना या छाती का धंसना निमोनिया के दो मुख्य चिन्ह है। प्रशिक्षण में शिशु रोग विशेषज्ञों द्वारा द्वारा बच्चों में सांस की दर को गिनकर निमोनिया के लक्षणों की पहचान के संबंध में जानकारी दी गई। बच्चों में सांस की गति का ठीक ढंग से आकलन करके निमोनिया को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है। इसके लिए बच्चों की श्वास को एक मिनट तक निरंतर देखा जाता है। दो माह तक की उम्र के बच्चों की सांस लेने की दर एक मिनट में 60 या उससे अधिक होने पर, 2 माह से एक वर्ष तक की आयु में 50 या उससे अधिक एवं 1 वर्ष से 5 वर्ष तक के बच्चों में प्रति मिनट 40 या उससे अधिक सांस की दर होने पर निमोनिया होने की संभावना रहती है।

## सागर में अग्निवीर सेना भर्ती रैली का दसवां दिन

788 अभ्यर्थियों ने रैली में लिया हिस्सा, दौड़ में 519 अभ्यर्थी हुए सफल, 12 अक्टूबर को सिपाही फार्मा रैली

**मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)।** सागर के इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज में सेना भर्ती कार्यालय ग्वालियर के तत्वावधान में अग्निवीर सेना भर्ती रैली आयोजित की जा रही है। रैली के दसवें दिन 788 अभ्यर्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। शारीरिक परीक्षा के दौरान 519 अभ्यर्थियों ने दौड़ में सफलता हासिल कर अगले चरण में प्रवेश किया। भर्ती रैली 14 अक्टूबर तक चलेगी।

12 अक्टूबर को सोल्जर टेक और फार्मा भर्ती रैली: मध्यप्रदेश के छत्तीसगढ़ के अभ्यर्थियों के लिए 12 अक्टूबर को सोल्जर टेक नर्सिंग असिस्टेंट (NA) और सिपाही फार्मा भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। वहीं, महिला मिलिट्री पुलिस (WMP) भर्ती रैली 14



अक्टूबर को होगी। सागर में भर्ती रैली में शामिल होने आए अभ्यर्थियों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था होटल पैराडाइज के पीछे स्थित शिव पार्वती मैरिज गार्डन में की गई है।

**दलानों के बहकावे में न आए अभ्यर्थी:** जिला प्रशासन और सेना भर्ती कार्यालय ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में भर्ती रैली की व्यवस्था की जा रही है। सेना भर्ती कार्यालय ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि भारतीय सेना में चयन पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और योग्यता के आधार पर होता है। भर्ती प्रक्रिया में दलाली या अनुचित साधनों की कोई जगह नहीं है। अभ्यर्थियों को किसी भी अनधिकृत व्यक्ति या दलाल के बहकावे में नहीं आने की सलाह दी गई है।

## शिवना पुलिया के पास वाहन की टक्कर, युवक गंभीर घायल

बाइक से मामा के गांव जा रहा था, सिर में आए 10 टांके

**मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)।** मंदसौर शहर से लगी शिवना पुलिया के पास शनिवार रात एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में ग्राम खोती निवासी 22 साल का जसपाल पिता रामभगत चंद्रवंशी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर में करीब 10 टांके आए हैं। चेहरे, हाथ और पैर में भी चोटें आई हैं। घायल का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। जसपाल शनिवार रात अपने गांव खोती से बाइक पर सवार होकर मामा के गांव डाबला जा रहा था। उसे मामा के खेत पर मजदूरी करनी थी और रविवार सुबह से काम शुरू करना था। इसी दौरान मंदसौर में शिवना ब्रिज के पास यह हादसा हुआ। हादसे की खबर मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। एंबुलेंस की मदद से घायल जसपाल को मंदसौर जिला अस्पताल ले जाया गया। जसपाल के पिता रामभगत भीलवाड़ा में मजदूरी करते हैं और शनिवार दोपहर ही गांव लौटे थे। परिजनों ने बताया कि जसपाल मामा के गांव मजदूरी करने निकला था, तभी यह घटना हो गई। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।



## दुर्गा प्रतिमा लेने आए युवक को कार ने रौंदा

मौके पर मौत, खंडवा में दोस्तों ने 2 किमी पीछ कर ड्राइवर को पकड़

**मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)।** नवरात्रि पर्व के बीच इंदौर हाईवे पर देर रात बाइक सवार दो युवक हादसे का शिकार हो गए। दुर्गा प्रतिमा लेने खंडवा आए युवकों को कार ने रौंद दिया। हादसे में ग्राम खजूरी निवासी 34 वर्षीय रवींद्र चौहान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठ गजेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। उस जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा छैगांवमाखन के पास अग्रवाल सूत मिल के सामने हुआ। टक्कर मारने के बाद कार ड्राइवर मौके से भाग निकला, लेकिन पीछे दूसरी बाइक पर आ रहे रवींद्र के दोस्तों ने उसे देख लिया। दोस्तों ने कार का पीछ किया। करीब दो किलोमीटर तक पीछ करने के बाद ग्राम दोंदवाड़ा के पास ड्राइवर कार छोड़कर झाड़ियों में छिप गया। युवकों ने



उसे पकड़ लिया और कार सहित छैगांवमाखन थाने ले जाकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

**पिकअप में रखकर रवाना की थी प्रतिमा:** ग्रामीण सुंदर चौहान ने बताया कि ग्राम खजूरी के युवक नवरात्रि के लिए दुर्गा प्रतिमा लेने खंडवा आए थे। प्रतिमा को पिकअप वाहन में रखकर गांव के लिए रवाना कर दिया गया था। इसके बाद युवक तीन बाइकों पर दो-दो की संख्या में पिकअप के पीछे चल रहे थे। इसी दौरान छैगांवमाखन के पास अग्रवाल सूत मिल के सामने हादसा होा। सुंदर चौहान के मुताबिक,

सामने से ओवरटेक करते हुए आई कार ने रवींद्र की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि रवींद्र और गजेंद्र सड़क पर गिर पड़े। हादसे में रवींद्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

**दो किलोमीटर पीछा कर पकड़ा:** हादसे के बाद कार ड्राइवर रुकने के बजाय मौके से भाग निकला। दोस्तों ने उसका पीछा जारी रखा। करीब दो किलोमीटर दूर ग्राम दोंदवाड़ा के पास ड्राइवर कार से उतरकर झाड़ियों में छिप गया। पीछा कर रहे युवकों ने उसे तलाशकर पकड़ लिया। इसके बाद उसे कार सहित छैगांवमाखन थाने ले जाया गया और पुलिस के हवाले कर दिया।

**दो बेटों को छोड़ गया रवींद्र:** रवींद्र शायदशुदा था और उसके दो छोटे बेटे हैं। बड़ा बेटा चार साल जबकि छोटा महज छह साल का है।

## माय भारत केंद्र द्वारा छात्राओं के लिए करियर मार्गदर्शन एवं आत्मविश्वास निर्माण सत्र आयोजित

**मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)।** युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माय भारत केंद्र सीहोर द्वारा सेवा पखवाड़े के अंतर्गत शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सीहोर में छात्राओं के लिए करियर मार्गदर्शन एवं आत्मविश्वास निर्माण सत्र आयोजित किया गया। जिला युवा अधिकारी सुश्री प्रशंका जैन ने छात्राओं को आत्मचिंतन, लक्ष्य निर्धारण, कौशल विकास तथा भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित किया। सत्र के दौरान छात्राओं को अपनी रुचि, क्षमताओं एवं भविष्य के लक्ष्यों को पहचानने तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और संभावित चुनौतियों के समाधान पर विचार करने की गतिविधियां कराई गई कार्यक्रम में गांधी फेलोशिप से जुड़े युवाओं एवं माय भारत के स्वयंसेवकों ने भी सहभागिता की। कोलकाता से आए सम्मन्य दास ने मधुरम उपादन आधारित कृषि व्यवसाय मॉडल के माध्यम से उद्यमिता की संभावनाओं की जानकारी दी। उत्तर प्रदेश से आए ऋषित ने वित्तीय साक्षरता एवं बुनियादी साक्षरता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। माय भारत की स्वयंसेविका अंजलि ने भारतीय सेना में शामिल होने के अपने लक्ष्य एवं तैयारी के बारे में बताया, जबकि निधि ने शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने की अपनी आकांक्षा साझा की।

## विंध्याचल स्टेशन पर 12 ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

नवरात्र मेले पर यात्रियों को मिलेगी सुविधा, 11 से 26 अक्टूबर तक दो मिनट रुकेंगी ट्रेनें

**मीडिया ऑडीटर,इटारसी (निप्र)।** शारदीय नवरात्र मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने विंध्याचल स्टेशन पर 12 ट्रेनों को अस्थायी ठहराव देने का फैसला किया है। यह ठहराव 11 से 26 अक्टूबर 2026 तक रहेगा। इन ट्रेनों का विंध्याचल स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव होगा, जिससे यात्रियों को आने-जाने में आसानी होगी। ठहराव पाने वाली ट्रेनों में 12141-12142 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस, 15945-15946 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस, 15647-15648 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गुवाहाटी एक्सप्रेस, 12335-12336 भागलपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, 12295-12296 बेंगलुरु-दनापुर एक्सप्रेस और 12167-12168 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस एक्सप्रेस शामिल हैं। ये ट्रेनें रात से सुबह तक अलग-अलग समय पर विंध्याचल पहुंचेंगी।



## घर की बागड़ में गांजे की खेती पकड़ी:खरगोन में पुलिस ने 3 लाख के 100 हरे पौधे जब्त किए, आरोपी गिरफ्तार

**मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)।** खरगोन के बिस्टान स्थित खेरकुंडी के पिछला फाल्गा में पुलिस ने रविवार को गांजे की अवैध खेती पकड़ी है। पुलिस ने एक घर के आसपास बागड़ में उगाए गए करीब 100 हरे पौधे जब्त किए हैं। इनका वजन लगभग 60 किलो और अनुमानित कीमत 3 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने इस मामले में खेरकुंडी निवासी गनदास पिता प्रताप डावर को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी गुलाब सिंह रावत को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि गांव में एक व्यक्ति घर के पास गांजे की खेती कर रहा है। इस सूचना के बाद पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान गांजे के पौधे मिले, जिन्हें लगभग 2 घंटे के ऑपरेशन में जब्त कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, पृछताछ में आरोपी ने पौधे खुद उगाने की बात कबूल की है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इस अवैध खेती में कोई और व्यक्ति शामिल है या नहीं। इस कार्रवाई में एसआई सुदाम मोरे, एसआई नवनीत चतुर्वेदी, आरक्षक सरदार खरते, विनायक राजवत और अनिल वास्करे की टीम शामिल थी।

# टाई मुकाबलों के बादशाह



**नई दिल्ली,एजेंसी।** क्रिकेट के इतिहास में टाई वनडे मैच हमेशा से ही बेहद रोमांचक और दिल दहला देने वाले रहे हैं। ये वे मुकाबले होते हैं जहाँ हार और जीत के बीच का अंतर बिलकुल खत्म हो जाता है, और खिलाड़ी दबाव में अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता का प्रदर्शन करते हैं। इन यादगार मुकाबलों में बल्लेबाजों ने अपनी सूझबूझ

और कौशल से महत्वपूर्ण रन बटोरे हैं, जिसने इन मैचों को बराबरी पर समाप्त करने में अहम भूमिका निभाई है। ऐसे ही कुछ धुरंधर बल्लेबाजों की सूची में वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज शाई होप पहले पायदान पर काबिज हैं, जिन्होंने अपनी शांत और संयमित बल्लेबाजी से कई बार अपनी टीम को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला

है। शाई होप ने साल 2016 से लेकर 2025 तक (यह अवधि संभवतः उनके संभावित भविष्य के प्रदर्शन को भी परिकल्पित करती है या एक सांख्यिकीय अवलोकन है) खेले गए चार टाई वनडे मुकाबलों की चार पारियों में दो बार नाबाद रहते हुए कुल 324 रन बटोरे हैं। इन मुकाबलों में उनका उच्चतम स्कोर नाबाद

# वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 बल्लेबाज

123 रन रहा है और उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाते हुए दो शानदार शतकीय पारियां खेली हैं, जो उनकी एकाग्रता और बड़े मैचों में प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाती हैं। इस प्रतिष्ठित सूची में भारतीय क्रिकेट का एक और बड़ा नाम, पूर्व कप्तान और महान फिनिशर महेंद्र सिंह धोनी का आता है। अपनी अद्वितीय मैच-फिनिशिंग क्षमताओं और दबाव में शांत रहने के लिए जाने वाले धोनी ने साल 2011 से 2018 के बीच टाई वनडे मैचों में अपनी भूमिका को बखूबी निभाया है। उन्होंने छह ऐसे मुकाबलों की छह पारियों में दो बार नाबाद रहते हुए कुल 245 रन बनाए हैं। टाई मैचों में उनका सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 78 रन रहा है और उनका बल्लेबाजी औसत 61.25 का रहा है, जो इस लिस्ट में सबसे बेहतरीन औसतों में से एक है और उनकी अविश्वसनीय निरंतरता को दर्शाता है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और जुझारू खिलाड़ी स्टीव वॉ भी इस फेहरिस्त में पीछे नहीं हैं। अपनी दृढ़ता और महत्वपूर्ण मौकों पर प्रदर्शन करने की क्षमता के लिए प्रसिद्ध वॉ ने साल 1989 से 2000 के बीच पांच टाई मैचों की पांच पारियों में एक बार नाबाद रहते हुए कुल 227 रन बनाए हैं। उनका उच्चतम स्कोर

नाबाद 72 रन रहा है, जो टीम को मुश्किल परिस्थितियों से निकालने में उनकी अहमियत को बताता है। भारतीय क्रिकेट के वर्तमान युग के सबसे बड़े बल्लेबाजों में से एक, विराट कोहली का बल्ला भी टाई मुकाबलों में खूब गरजा है। रन मशीन के नाम से मशहूर कोहली ने साल 2011 से 2024 के बीच छह मैचों की छह पारियों में बल्लेबाजी करते हुए कुल 226 रन अपने नाम किए हैं। टाई मैचों में उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 157 रन रहा है और उन्होंने इस दौरान एक शतक भी लगाया है, जो बड़े स्कोर बनाने की उनकी भूख और क्षमता को दर्शाता है। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज ऑलराउंडर जैक्स कैलिस ने भी टाई मुकाबलों में अपनी क्लास दिखाई है। अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखने वाले कैलिस ने साल 1999 से 2005 के बीच पांच मैचों की पांच पारियों में कुल 225 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वाधिक स्कोर 71 रन रहा। इन सभी बल्लेबाजों ने साबित किया है कि टाई मैचों में जहां एक-एक रन कीमती होता है, वहां दबाव में शानदार प्रदर्शन करना ही उन्हें महान बनाता है। उनकी यह उपलब्धियां खेल के रोमांच को और बढ़ा देती हैं।



## हसन महमूद टेस्ट में हैट्रिक लगाने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बने

**नई दिल्ली,एजेंसी।** अबू धाबी बांग्लादेश के नये तेज गेंदबाज हसन महमूद ने अफगानिस्तान के खिलाफ यहां खेले जा रहे टेस्ट मैच के तीसरे दिन हैट्रिक लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब हसन टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। इससे हसन को बांग्लादेश के उन गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं जो टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने में सफल रहे हैं। उनसे पहले साल 2003 में आलोक कपाली ने पाकिस्तान के खिलाफ पेशावर में हैट्रिक ली थी, और फिर 2013 में सोहाग गाजी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चटगांव में टेस्ट हैट्रिक दोहराई थी। अब हसन महमूद ने अपनी तेज गेंदबाजी के बल पर इस प्रतिष्ठित सूची में अपना नाम दर्ज कराया है। एक तेज गेंदबाज के रूप में यह उपलब्धि और भी खास हो जाती है।तीसरे दिन की शुरुआत में नई गेंद से गेंदबाजी करते हुए, हसन ने अपनी हैट्रिक की शुरुआत अफगानिस्तान के बल्लेबाज इस्मत आलम को आउट करके की। आलम तब केवल एक रन ही बना पाये थे। हसन ने उन्हें साफ बॉल्ड कर दिया। इसके बाद, हसन ने काइस अहमद को अपना दूसरा शिकार बनाया। बल्लेबाज ने ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर शांट खेलते की कोशिश की, लेकिन गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और सीधे विकेटकीपर लिलन दास के हाथ में आई। वहीं हसन की तीसरी गेंद पर जियाउर रहमान एलबीडब्ल्यू आउट हुए। मैदानी अंपायर ने शुरुआत में अपील को खारिज कर दिया, लेकिन बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शातो ने तुरंत रिक्वे लेंने का फैसला किया। वीडियो रीफरल में स्पष्ट रूप से पता चला कि गेंद बल्ले से नहीं लगी थी और बॉल ट्रैकिंग के अनुसार वह सीधे स्टंप पर लग रही थी। अंपायर का फैसला बदला गया और इस तरह हसन महमूद ने अपनी ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी की, जिससे बांग्लादेश खेमा खुशी से झूम उठा। हसन की इस गेंदबाजी से अफगानिस्तान की पहली पारी में केवल 240 रन ही बना पायी। इस शानदार प्रदर्शन के साथ, बांग्लादेश ने पहली पारी में 106 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली, जिससे मैच में उनकी स्थिति मजबूत हो गई। हसन ने न केवल हैट्रिक ली, बल्कि उन्होंने 5-विकेट हॉल भी पूरा किया, जो उनकी इस अविस्मरणीय उपलब्धि को और भी खास बनाता है।



## भारतीय बल्लेबाजों का रिकॉर्डतोड़ हपता: विराट कोहली के पाँच बड़े कीर्तिमान ध्वस्त

**नई दिल्ली,एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में शुमार विराट कोहली, जिन्होंने 2024 में टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया था, उनके नाम कई ऐसे बेमिसाल रिकॉर्ड दर्ज हैं जिन्हें तोड़ना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। कोहली ने अपने करियर में निरंतरता और असाधारण प्रदर्शन से ऐसे मानक स्थापित किए थे, जो अक्सर अजेय लगते थे। हालांकि, पिछले एक हफ्ते में भारतीय क्रिकेटर्स ने अपने शानदार प्रदर्शन से कोहली के पाँच बड़े टी20 रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर एक नया इतिहास रच दिया है, जिसने भारतीय क्रिकेट की गहरी प्रतिभा को उजागर किया है और टीम के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर प्रस्तुत की है। यह सप्ताह भारतीय क्रिकेट के लिए एक अविस्मरणीय कालखंड बन गया है। सबसे पहले, कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में कुल 334 रन बनाए, जिसमें दो शानदार शतक शामिल थे। इस अद्भुत प्रदर्शन के साथ, वह तीन मैचों की वनडे सीरीज में 300 से अधिक रन बनाने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए, जिससे उन्होंने एक अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया।

2016 के 1,614 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी क्षमता का प्रदर्शन किया, जो भारतीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। तीसरा महत्वपूर्ण रिकॉर्ड श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल में तोड़ा। उन्होंने 43 गेंदों पर नाबाद 102 रन की शानदार और निर्णायक पारी खेली। इस पारी के साथ उन्होंने सफल टी20 इंटरनेशनल रन चेज में भारतीय कप्तान के सबसे बड़े स्कोर के विराट कोहली के रिकॉर्ड (2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 94 रन) को ध्वस्त कर दिया।

अय्यर की यह शतकीय पारी न केवल मैच विजेता थी, बल्कि उसने उनकी नेतृत्व क्षमता का भी प्रमाण दिया। चौथा, युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने जापान में आयोजित एशियन गेम्स के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 28 गेंदों पर 61 रन की आक्रामक पारी खेली, जिसमें 7 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। इसके साथ ही, पाकिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में उनके कुल छक्कों की संख्या 14 हो गई, जिससे उन्होंने विराट कोहली के 11 छक्कों के आंकड़े को पार कर एक नया रिकॉर्ड बनाया।

वहीं तिलक वर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ एशियन गेम्स फाइनल में अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखते हुए 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए, जो पाकिस्तान के खिलाफ उनकी निरंतरता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता का एक और उदाहरण था।

दूसरा, युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने 2026 में टी20 क्रिकेट में 1,644 रन बनाकर एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने विराट कोहली के

भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की जमकर प्रशंसा की है। मयंक 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेले गए टी-20 मुकाबले में मयंक यादव लगातार 140 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की गति से गेंद डालते रहे। चोट से उबरकर वापसी कर रहे मयंक ने इस मैच में अपने तीन ओवर में 36 रन देकर तीन अहम विकेट लिए। उनकी गेंदों के सामने वेस्टइंडीज का शीर्ष क्रम भी टिक नहीं पाया। उनकी इस प्रभावशाली गेंदबाजी ने न केवल वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को परेशानी में डाला, बल्कि भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को एक ऐसे तेज गेंदबाज की झलक भी दी, जो भविष्य में टीम इंडिया के लिए एक बड़ा हथियार बन सकता है। इसी से से प्रभावित होकर गंभीर ने उनकी जमकर तारीफ की। गंभीर ने कहा, अगर आप 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं, तो 150 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। अगर आप 120 की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं, तो 120 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। जब आप तेज गेंदबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आपको उस भूमिका को अच्छी तरह से निभाना चाहिए, उसने आज ऐसा किया और वह सफल रहा। गंभीर के इन शब्दों ने मयंक की उस भूमिका को सराहा, जिसमें उन्होंने अपनी स्वाभाविक तेज गति से कोई समझौता नहीं किया हालांकि इस में भारतीय टीम के हारने पर गावस्कर ने ने कप्तान के एक फैसले पर नाराजगी जतायी । गावस्कर का मानना ? तू है कि 17वां ओवर मयंक न देना भारत की हार की एक बड़ी वजह रही। उन्होंने बताया कि कप्तान ने कुलदीप यादव को गेंद थमाई, जिन्होंने इस ओवर में 24 रन लुटाए, जिसमें तीन छक्के, एक चौका और एक वाइड शामिल थी।

सकते हैं, तो 120 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। जब आप तेज गेंदबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आपको उस भूमिका को अच्छी तरह से निभाना चाहिए, उसने आज ऐसा किया और वह सफल रहा। गंभीर के इन शब्दों ने मयंक की उस भूमिका को सराहा, जिसमें उन्होंने अपनी स्वाभाविक तेज गति से कोई समझौता नहीं किया हालांकि इस में भारतीय टीम के हारने पर गावस्कर ने ने कप्तान के एक फैसले पर नाराजगी जतायी । गावस्कर का मानना ? तू है कि 17वां ओवर मयंक न देना भारत की हार की एक बड़ी वजह रही। उन्होंने बताया कि कप्तान ने कुलदीप यादव को गेंद थमाई, जिन्होंने इस ओवर में 24 रन लुटाए, जिसमें तीन छक्के, एक चौका और एक वाइड शामिल थी।

मयंक ने नाबाद 171 रन बनाए। यह गेंदों के हिसाब से वनडे क्रिकेट की सबसे लंबी व्यक्तिगत पारी है, जो टर्नर की असाधारण 1983 में ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर वेस्टइंडीज के खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के अद्भुत संयम दिखाया। मोहसिन खान ने 176 गेंदों का सामना करते हुए 70 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली, जिसमें मात्र 1 चौका निकला। यह पारी उस दौर के दुनिया के सबसे तेज गेंदबाजों के सामने टिके रहने के उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाती है, जब हेलमेट और अन्य सुरक्षा उपकरण आज की तरह उन्नत नहीं थे। इसी

मोहसिन खान का आता है, जिन्होंने 22 जून 1983 में ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर वेस्टइंडीज के खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के अद्भुत संयम दिखाया। मोहसिन खान ने 176 गेंदों का सामना करते हुए 70 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली, जिसमें मात्र 1 चौका निकला। यह पारी उस दौर के दुनिया के सबसे तेज गेंदबाजों के सामने टिके रहने के उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाती है, जब हेलमेट और अन्य सुरक्षा उपकरण आज की तरह उन्नत नहीं थे। इसी



## विश्व कप यह अनोखा रिकॉर्ड जो 23 साल से कायम है में सबसे कम स्कोर पर सिमटने वाली 5 टीमें

# आईसीसी प्रमुख जय शाह ने नवरात्रि पर शुभकामनाएँ दीं



**दुबई,एजेंसी।** अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर देशवासियों और भक्तों को शुभकामनाएँ दीं हैं। उन्होंने अपने संदेश में लोगों से देवी दुर्गा

से प्रेरणा लेने और जीवन की चुनौतियों का सामना साहस और उम्मीद के साथ करने का आह्वान किया। जय ने लिखा, मां दुर्गा का आशीर्वाद हमें हर चुनौती को हिम्मत से और हर मौके को उम्मीद के साथ अपनाने की प्रेरणा देता है। यह संदेश केवल एक शुभकामना नहीं, बल्कि त्याहार के गहरे आध्यात्मिक महत्व पर जोर देता है, जिसमें भक्त शक्ति, भलाई और समृद्धि के लिए देवी दुर्गा और उनके नौ दिव्य रूपों, जिन्हें सामूहिक रूप से नवदुर्गा के नाम से जाना जाता है, का आह्वान करते हैं। हिंदू चंद्र कैलेंडर के अश्विन महीने में मनाई जाने वाली शारदीय नवरात्रि का प्रारंभ कलश स्थापना के शुभ अनुष्ठान से होता है, जो एक पवित्र शुरुआत का प्रतीक है।

## वनडे क्रिकेट में गेंदों का कीर्तिमान: 51 साल से कायम है ग्लेन टर्नर का रिकॉर्ड

**नई दिल्ली,एजेंसी।** वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में अक्सर बल्लेबाजों की तेज-तर्रार बल्लेबाजी, धुआंधार चौकों-छक्कों और विस्फोटक शतकों की चर्चा होती है, लेकिन कुछ ऐसी ऐतिहासिक पारियां भी हैं जहाँ रनों की रफ्तार से ज्यादा क्रीज पर टिके रहने और एक मैच में सर्वाधिक गेंदें खेलने की अद्भुत मिसाल पेश की गई है। इस विश्व कीर्तिमान में न्यूजीलैंड के महान बल्लेबाज ग्लेन टर्नर का नाम सबसे ऊपर दर्ज है, जिसने लगभग 51 साल से कोई चुनौती नहीं देखी है और क्रिकेट इतिहास के सबसे दुर्लभ रिकॉर्ड्स में से एक है। 7 जून 1975 को बर्मिंघम में, वनडे इतिहास के शुरुआती दौर में खेले गए सातवें ही मैच में, पूर्वी अफ्रीका (ईस्ट अफ्रीका) के खिलाफ टर्नर ने एक ऐसी अविश्वसनीय पारी खेली जो आज भी अटूट है। उन्होंने कुल 201 गेंदों का सामना करते हुए, 16 चौकों और 2 छक्कों की

मदद से नाबाद 171 रन बनाए। यह गेंदों के हिसाब से वनडे क्रिकेट की सबसे लंबी व्यक्तिगत पारी है, जो टर्नर की असाधारण 1983 में ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर वेस्टइंडीज के खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के अद्भुत संयम दिखाया। मोहसिन खान ने 176 गेंदों का सामना करते हुए 70 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली, जिसमें मात्र 1 चौका निकला। यह पारी उस दौर के दुनिया के सबसे तेज गेंदबाजों के सामने टिके रहने के उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाती है, जब हेलमेट और अन्य सुरक्षा उपकरण आज की तरह उन्नत नहीं थे। इसी

मोहसिन खान का आता है, जिन्होंने 22 जून 1983 में ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर वेस्टइंडीज के खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के अद्भुत संयम दिखाया। मोहसिन खान ने 176 गेंदों का सामना करते हुए 70 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली, जिसमें मात्र 1 चौका निकला। यह पारी उस दौर के दुनिया के सबसे तेज गेंदबाजों के सामने टिके रहने के उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाती है, जब हेलमेट और अन्य सुरक्षा उपकरण आज की तरह उन्नत नहीं थे। इसी

दौर के एक और महान बल्लेबाज और भारत के लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर का नाम भी इस लिस्ट में दर्ज है, हालांकि उनकी यह पारी कई बार चर्चा और आलोचना का विषय रही है। 7 जून 1975 को लॉर्ड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए उद्घाटन विश्व कप मैच में गावस्कर ने 174 गेंदों का सामना किया और सिर्फ 36 रन बनाकर नाबाद रहे। इस लंबी पारी में उनके बल्ले से केवल 1 चौका निकला, जो उस समय के एकदिवसीय क्रिकेट के प्रति रक्षात्मक दृष्टिकोण और परिस्थितियों के अनुसार खेलने की उनकी रणनीति को दर्शाता है। इन सभी पुरानी और अधिक रक्षात्मक पारियों के बीच, 13 नवंबर 2014 को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में एक ऐसा भूचाल आया जिसने गेंदों को खेलने के इस रिकॉर्ड को एक नए ही आयाम पर ला खड़ा किया।



संक्षिप्त समाचार

वानिकी छात्रों ने शासन के 50 प्रतिशत आरक्षण के फैसले के लिए वन मंत्री केदार कश्यप का जताया आभार



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य में वानिकी के विद्यार्थियों के हित में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय के फलस्वरूप वन मंत्री केदार कश्यप का। शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शासन के इस दूरगामी फैसले के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं विभाग के समस्त छात्र-छात्राओं ने वन मंत्री कश्यप का आभार व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन किया। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर वानिकी विषय में विशेषज्ञता हासिल करने वाले छात्रों के उच्चल भविष्य और रोजगार के अवसरों को विस्तार देते हुए सहायक वन संरक्षक और वन परिक्षेत्र अधिकारी के पदों पर होने वाली सीधी भर्ती में 50 प्रतिशत पद आरक्षित करने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि वानिकी के छात्रों ने कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित इस मांग के पूरा होने से राज्य में वानिकी की पढ़ाई कर रहे युवाओं में नया उत्साह और विश्वास जागा है।

**सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' थीम पर छात्राओं ने रंगोली से दिया राष्ट्रसेवा का संदेश**



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि युवा शक्ति विकास भारत के संकल्प को साकार करने का सबसे बड़ा आधार है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और संकल्प से वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य पूरा होगा। कश्यप जगदलपुर के शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित भारत मंडला कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वन मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वृद्ध संकल्प से बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे और शांति एवं विकास के नए युग की शुरुआत हो रही है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण और समाजसेवा में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' थीम पर आकर्षक रंगोली बनाकर राष्ट्रसेवा का संदेश दिया। वन मंत्री कश्यप ने कार्यक्रम में रंगोली बनाने वाली छात्राओं और सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय योगदान देने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर महापौर संजय पांडेय, पूर्व विधायक डॉ सुभाऊ कश्यप सहित कॉलेज के प्राचार्य और प्राध्यापक गण तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

**श्रमिक की बेटी मुस्कान के सपनों को मिला सबल, गौरी सशक्तिकरण योजना से मिली 20 हजार रुपये की सहायता**

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की नौनी सशक्तिकरण योजना श्रमिक परिवारों की बेटियों के सपनों को नई उड़ान देने के साथ ही उनके उच्चल भविष्य का आधार बन रही है। आर्थिक कठिनाइयों के बीच बेटियों को बेहतर शिक्षा दिलाने और आत्मनिर्भर बनाने का सपना संजोए श्रमिक परिवारों के लिए यह योजना उम्मीद की नई किरण साबित हो रही है। इसी योजना से लाभान्वित पंडू नगर के वार्ड क्रमांक 6 की निवासी कुमारी मुस्कान यादव को 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलने से उनकी आगे की पढ़ाई की राह आसान हुई है। मुस्कान की माता मती रेखा यादव पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं। मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाली रेखा यादव अपनी बेटी को अच्छी शिक्षा दिलाकर आत्मनिर्भर बनाना चाहती हैं। सीमित आय के कारण पढ़ाई के खर्चों की चिंता बनी रहती थी। ऐसे में श्रम विभाग की नौनी सशक्तिकरण योजना उनके परिवार के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। योजना के अंतर्गत मुस्कान को 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। मुस्कान ने बताया कि इस सहायता राशि का उपयोग वे अपनी आगे की पढ़ाई में करेंगी। शासन से मिली आर्थिक मदद ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है और भविष्य के सपनों को पूरा करने की नई उम्मीद जगाई है। वहीं उनकी माता रेखा यादव ने कहा कि बेटी की शिक्षा के लिए मिली यह सहायता परिवार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इससे पढ़ाई के खर्चों में राहत मिलेगी और बेटी को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। मुस्कान और उनकी माता ने इस आर्थिक सहायता के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

# वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा: अंबिकापुर के संजय पार्क में खुलेगा अत्याधुनिक ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर

वन क्षेत्रों की 18 सड़कों के उन्नयन की अनुशांसा , गोमर्डा अभयारण्य में स्थानांतरित किए जाएंगे 50 काले हिरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में वन्यजीव संरक्षण और वनांचल के ग्रामीणों की सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। वन मंत्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में शनिवार को नवा रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में राज्य वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की पहली बैठक हुई। इसमें अंबिकापुर के संजय पार्क में आधुनिक वन्यजीव ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर स्थापित करने को मंजूरी दी गई। साथ ही संरक्षित वन क्षेत्रों की 18 ग्रामीण सड़कों के उन्नयन संबंधी प्रस्ताव भारत सरकार को भेजने की अनुशांसा की गई। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार वन्यजीव संरक्षण के साथ वनांचल के ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए

प्रतिबद्ध है। मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम, घायल वन्यप्राणियों के त्वरित उपचार और वन क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

अंबिकापुर में प्रस्तावित उपचार केंद्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष और दुर्घटनाओं में घायल वन्यप्राणियों के त्वरित बचाव, प्राथमिक उपचार और अल्पकालिक देखरेख की सुविधा उपलब्ध होगी। वहीं, पीएम जनमन योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत भोरमदेव अभयारण्य की 3, इंद्रावती टाइगर रिजर्व की 14 और जशपुर के बादलखोल अभयारण्य की एक सड़क के उन्नयन की अनुशांसा की गई। इन सड़कों के उन्नयन से बैगा सहित अन्य विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदायों की बस्तियों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और आपातकालीन सेवाओं की पहुंच बेहतर हो सकेगी। बैठक में जनभागीदारी के आधार पर चयनित 'अर्रेंज ओकलीफ' को छत्तीसगढ़ की पहली राजकीय तितली घोषित करने के प्रस्ताव का परीक्षण पूर्ण कर आगे की कार्यवाही करने की मंजूरी दी गई। बाननवापरा अभयारण्य में काले हिरणों के सफल संरक्षण के बाद गोमर्डा अभयारण्य में 50 काले हिरणों

के स्थानांतरण को भी स्वीकृति दी गई। समिति ने हाथियों एवं अन्य वन्यजीवों से फसल क्षति के मुआवजे की दरों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जिलावार एवं फसलवार बेमिति राशि के आधार पर अद्यतन करने के प्रस्ताव पर आगे विचार करने का निर्णय लिया। हाथी प्रभावित क्षेत्रों में कच्चे मकानों को पक्का करने के लिए विशेष मुख्यमंत्री आवास योजना के प्रस्ताव को उच्चस्तरीय बैठक में विचारार्थ रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में विधायक धर्मजीत सिंह, मती गोमती साय और चैतराम अटायी, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव अमरनाथ प्रसाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एवं मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक ओ.पी. यादव सहित समिति के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## मुख्यमंत्री कैप कार्यालय में आवेदन देते ही दिव्यांग बिंदे राम को मिली बैटरी चालित ट्राईसाइकिल

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से जरूरतमंदों को मिल रही त्वरित सहायता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जरूरतमंद और दिव्यांगजनों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में मुख्यमंत्री कैप कार्यालय बगिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में जशपुर जिले के ग्राम गिनाबहार निवासी दोनों पैंरो से दिव्यांग बिंदे राम को मुख्यमंत्री कैप कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करते ही बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई। तत्काल मिली इस सहायता से उनके चेहरे पर खुशी झलक उठी। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ट्राईसाइकिल मिलने से अब उन्हें आवागमन और दैनिक कार्यों में काफी सहूलियत होगी। ग्राम गिनाबहार निवासी बिंदे राम, पिता विशेश्वर राम, दोनों पैंरो से दिव्यांग हैं। शारीरिक असमर्थता के कारण उन्हें रोजमर्रा के कार्यों और कहीं आने-जाने के लिए परिवार के सदस्यों पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अपनी समस्या

के समाधान की उम्मीद लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नाम मुख्यमंत्री कैप कार्यालय बगिया में आवेदन प्रस्तुत कर बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री कैप कार्यालय में उनकी समस्या को संवेदनशीलता से लेते हुए तत्काल सहायता उपलब्ध कराई गई। आवेदन प्रस्तुत करने के बाद ही उन्हें बैटरी चालित ट्राईसाइकिल प्रदान की गई। इससे

अब बिंदे राम को आवागमन के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और वे अपने दैनिक कार्य अधिक आसानी से कर सकेंगे। यह सहायता उनके जीवन में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। जरूरतमंदों के लिए उम्मीद और भरोसे का केंद्र बना मुख्यमंत्री कैप कार्यालय बगिया मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की जनसेवा और संवेदनशील प्रशासन की प्रतिबद्धता की अनुपम मुख्यमंत्री कैप कार्यालय बगिया जरूरतमंदों की समस्याओं के त्वरित समाधान का माध्यम बन रहा है। यहां पहुंचने वाले नागरिक अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करते हैं, जिन पर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए यथासंभव शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जाती है। दिव्यांग बिंदे राम को आवेदन देते ही बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराया जाना संवेदनशील प्रशासन और त्वरित जनसेवा का उदाहरण है।

## उप मुख्यमंत्री अरुण साव के निर्देश पर एवशन में पीडब्ल्यूडी, सड़कों की मरम्मत युद्धस्तर पर शुरू

अंबिकापुर में 3 करोड़ से सुधरे 150 किलोमीटर लंबे विभिन्न मार्गों के क्षतिग्रस्त हिस्से, दिसम्बर तक काम पूरा करने का लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के निर्देश के बाद अंबिकापुर में सड़कों का गड्ढामुक्त करने की मुहिम तेज हो गई है। सरगुजा जिले के दौरान सड़कों की बदहाल स्थिति सुधारने और मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के उनके निर्देशों पर लोक निर्माण विभाग ने अमल शुरू कर दिया है। शहर के महामाया चौक से लगे साय चौक तक सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की बीटी पैच मरम्मत युद्धस्तर पर शुरू कर दी गई है। विभाग को वित्तीय वर्ष 2026-27 में वार्षिक संधारण मद से 3 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है। इस राशि से लोक निर्माण विभाग के अंबिकापुर संभाग के विभिन्न मार्गों के कुल 150 किलोमीटर हिस्सों का संधारण किया जाएगा। सभी निर्धारित मरम्मत कार्यों को दिसम्बर तक पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने सरगुजा प्रवास के दौरान विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए सड़कों की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि सड़कों पर बने गड्ढों की शीघ्र मरम्मत की जाए, ताकि आम नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने सड़क संधारण कार्यों में तेजी लाने और यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया था।

उनके निर्देशों के अनुपालन में लोक निर्माण विभाग ने प्राथमिकता के आधार पर सड़कों की मरम्मत के कार्य शुरू कर दिए हैं। लोक निर्माण विभाग ने अंबिकापुर में महामाया चौक से लगे साय चौक तक बीटी पैच मरम्मत का काम प्रारंभ किया है। सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों और गड्ढों को दुरुस्त कर आवागमन सुगम बनाने पर जोर दिया जा रहा है। विभाग स्वीकृत संधारण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने तेजी से काम कर रहा है। मरम्मत पूरी होने से वाहन चालकों और आम नागरिकों को सड़क के गड्ढों से होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। साथ ही आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकेगा। विभाग द्वारा अन्य स्वीकृत संधारण कार्यों को भी तय समय-सीमा में पूरा करने आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

# हाथी प्रभावित गांवों में पहुंचे पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, ग्रामीणों से मिलकर जाना हाल, अधिकारियों को दिए त्वरित राहत के निर्देश

सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के मरडीह, फुंगी और कुरमंतपारा का किया दौरा, हाथियों से हुए नुकसान का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के हाथी प्रभावित ग्राम मरडीह, फुंगी और कुरमंतपारा का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने हाथियों की गतिविधियों से प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा क्षेत्र में हुए नुकसान की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मंत्री अग्रवाल ने वन विभाग के अधिकारियों, एसडीएम और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री अग्रवाल ने प्रभावित गांवों के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और हाथियों के कारण उत्पन्न परिस्थितियों तथा उन्हें हो रही परेशानियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान और राहत संबंधी कार्रवाई की जानकारी प्राप्त की। मंत्री अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हाथियों से प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार

की अनावश्यक परेशानी न हो तथा उनके नुकसान का नियमानुसार आकलन कर मुआवजा प्रदान करने की प्रक्रिया प्राथमिकता के साथ पूरी की जाए। प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने में न हो अनावश्यक विलंब मंत्री राजेश अग्रवाल ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाथियों के कारण हुए नुकसान का गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ आकलन किया जाए। प्रभावित परिवारों के प्रकरणों में आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कर नियमानुसार मुआवजा दिलाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि

प्रभावित परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ऐसे मामलों में विभागीय समन्वय बनाए रखते हुए त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि हाथियों की गतिविधियों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न परिस्थितियों को लेकर शासन पूरी तरह संवेदनशील है। ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रभावित परिवारों को आवश्यक राहत दिलाने के लिए सभी संबंधित विभागों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करना होगा। जनता की सुरक्षा और हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहना हमारी प्राथमिकता: मंत्री अग्रवाल पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हाथी प्रभावित क्षेत्र में हुए नुकसान की जानकारी मिलते ही आज में स्वयं ग्रामीणों के बीच पहुंचा हूं। प्रभावित परिवारों की समस्याओं को समझना और उन्हें समय पर राहत दिलाना हमारी जिम्मेदारी है। मैंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नुकसान का शीघ्र आकलन कर प्रभावित परिवारों को

नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। जनता की सुरक्षा, प्रभावित परिवारों को राहत और हर परिस्थिति में उनके साथ मजबूती से खड़े रहना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। हाथियों की मौजूदगी वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के साथ वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को आपसी समन्वय से कार्य करना चाहिए, ताकि किसी भी अग्रिय स्थिति से बचा जा सके। ग्रामीणों से सतर्क रहने और वन विभाग के दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील मंत्री अग्रवाल ने ग्रामीणों से अपील की कि हाथियों की मौजूदगी के दौरान पूरी सावधानी बरतें और किसी भी प्रकार का जोखिम न उठाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें तथा वन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें। हाथियों की गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तत्काल वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को सूचित करें।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रेस प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा